प्रभु भोज

... मेरे गले में बहुत दिनों से, एरीजोना में पंद्रह सभाये ली। एक अद्भुत समय था। प्रभु यीशु ने हमें बस बहुत ही, बहुतायत से आशीषित किया है। उन्होंने प्रभु के योजना पर जरा सा कुछ तो काम करने की कोशिश की, मैं इस पर भरोसा करता हूं, इसे रखने का यह सही तरीका होगा, वहां जाकर और पहले उस स्थान पर बंदूक में गोलीयां भर रहा था। मैं समय से कई दिनों पहले वहां चला गया, पूरे फीनिक्स में सभी बड़ी बड़ी कलीसियाओ में दस या बारह सभाये थी, सनीस्लोप और टेम्पे और मेसा और वहां से होते हुए, और एक प्रकार से हर कही जाकर बंदूक में गोलियां भरी और फिर इसे कन्वेंशन की पांच रातों तक ले गया। और यह सबसे बड़ा कन्वेंशन था जो हमारे पास उत्तरी अमेरिका में हुआ था। यह एक बड़ा कन्वेंशन था। सबसे बड़ा नाश्ता, और—और उस—उस रात्रि का भोज भी।

2 मैं बस यह नहीं बता सकता कि कितने लोग थे जिन्होंने पवित्र आत्मा को पाया था। यह—यह जबरदस्त था कि कितने लोगों ने पवित्र आत्मा को पाया था, और कितने चंगे हुए थे और—और बचाए गए, यह—यह बस एक अद्भुत बात है। इसलिए हम परमेश्वर के आभारी हैं जब हम समय को आगे बढ़ते हुए देखते हैं। बहुत से बड़े–बड़े लोग वहां आए। उनमें से एक...

3 इससे भाई नेविल का बहुत भला होगा। मैंने एक प्रेस्बिटेरियन सेवक को देखा, सबसे बड़े प्रेस्बिटेरियन कॉलेज से निकला हुआ... इस राष्ट्र में, आत्मा में नाचते हुए देखा। ओह, प्रभु, यह वास्तव में कुछ तो था, उसने पवित्र आत्मा को पाया। और फिर उसने मुझे बताया, उसने कहा, "मेरे पास आपका एक टेप है।" कहा, "यह बहुत अच्छा नहीं था।" कहा, "यह बस एक तरह से चिंतित करने वाला है, लेकिन," कहा, "मैं इसे सीधे अपने कॉलेज में लेकर गया और इसे चलाया।" और कहा... वहां मनोविज्ञान का बड़ा व्यक्ति था, उसने उन सभी को शांत करवा दिया। "तो ठीक है, उन्हें इसे एक बार सुनना चाहिए, जो भी है," उसने कहा। और उसने कहा कि उसके पास...

4 और कहा कि पवित्र आत्मा को पाने के बाद उसे अपनी कलीसिया में आत्मा में नाचना है, और उन्होंने कहा, "आदरणीय, आप नाच का एक नया कदम कब सीखेंगे? "

5 उसने कहा, "जब मेरी सभा के लोग इस एक को सीख लेते है।" सोचा कि यह बहुत ही प्यारा था, आप जानते हैं, प्रेस्बिटेरियन वर्ग के समूह, जी हाँ, कहा, "जब मेरे सभा के लोग इस एक को सीख लेते है।" तो यह एक अच्छी बात है। बिल्कुल एक छोटे बच्चे की तरह, बिल्कुल नया और फिर भी वह... ठीक है, आप जानते हैं कि उसे बनना है, बोस्टन के सबसे बड़े प्रेस्बिटेरियन कॉलेज में मनोविज्ञान का प्रोफेसर बनना है, ठीक है, यह संयुक्त राज्य अमेरिका में है।

6 मैंने मायोस के हृदय शल्य चिकित्सको में से एक को आत्मा में सुसमाचार प्रचार करते और अन्य जुबान में बोलते देखा है। ओह, प्रभु! मैंने एक और विशेषज्ञ को देखा, जो कि सेवेंथ–डे एडवेंटिस्ट था, उसमें... वह हृदय और गले का एक—एक—एक विशेषज्ञ भी था, और वह, एक बूढ़ा मनुष्य, उसने पवित्र आत्मा का बपतिस्मा पाया। उसने इसे प्राप्त किया। एक रात्रि मैंने आंगन में उस पर हाथ रखे, और उसने पवित्र आत्मा को पाया। इसलिए हम... बस बहुत सी चीजें जो हमारे प्रभु ने की है जिसके लिए हम आभारी हैं, और विशेष रूप से इस समय पर देख रहे हैं।

7 तब मैंने उनसे कहा, "क्या आपको अहसास है कि यह कौन सी घड़ी है जब सोई हुई कुंवारी ने तेल मांगना आरंभ करती है? " यह समय था कि दूल्हा आ गया, और लोग, तैयार लोग अंदर चले गए। ओह, मैं यह जानकर बहुत खुश हूं कि हम इन अंतिम दिनों में यहां रह रहे हैं। देखा? मैं विश्वास करता हूं कि हम सबसे जबरदस्त समय में से एक में रह रहे हैं जिसे संसार ने कभी जाना है, बस प्रभु के आगमन की पूर्व संध्या पर। क्या यह अद्भुत नहीं है? सोचिए, कि अब किसी भी समय, सारा वचन लगभग पूरा होने को है! और सो हम किसी भी समय उसकी आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। और हमें इस प्रकार की अपेक्षाओं के नीचे रहना चाहिए, कि, बस किसी भी समय यह घटित हो सकता है। प्रार्थना में रहो, तैयार रहो!

8 आज के कुछ इंटरव्यू में, मैं, एक, मैं फॉर्मोसा से एक मिशनरी से मिला, जो एक साहसी महिला थी, तिहत्तर वर्ष उम्र की, और लगभग पैंतालीस वर्ष गुजारे थे। और वह अब भी एक—एक कुमारी है, और वो अवश्य ही

एक सुंदर युवा लड़की रही होगी। और उसने कहा कि वह एक मसीही घर में पली–बढ़ी थी जहाँ "हाँ" का अर्थ हाँ होता था, और "ना" का अर्थ नहीं होता था। और वह उस कठोर शिक्षा के तहत ऊपर आई थी। और उसने कहा, "भाई ब्रंहम, लगभग उस उम्र में, ओह," कहा, "लगभग आठ वर्ष की उम्र में, मैंने सोचा कि मैंने अपना जीवन प्रभु यीशु को दे दिया है।" उसने कहा, "लगभग बारह वर्ष की उम्र में, मैं किसी संप्रदाय के एक सेवक के द्वारा बहकाई गई थी, कि मुझे दूसरी आशीष को लेना ही है," और कहा, "और इसमें बहुत ही अधिक भरमायी गयी थी।" लेकिन उसने कहा, "लगभग सत्रह वर्ष की उम्र, मैंने वास्तव में पवित्र आत्मा को पाया।" और वह यहाँ पीछे बैठी हुई है अब इन सोई हुई बैपटिस्ट कलीसियाओ में से कुछ को जगाने की कोशिश कर रही है। उसने कहा यदि—यदि वहां कुछ भी था जो उसने देखा "मरा," हुआ था वह स्वयं एक बैपटिस्ट है, उसने कहा, "क्या ये यहाँ पीछे मृत बैपटिस्ट कलीसियाये है।" उसने उन्हें "मुर्दा घर" कहा।

9 मैंने कहा, "ठीक है, मुझे लगता है जब आप युद्ध के मोर्चे पर होते हैं... " मैं सोचता हूं कि अब वह... जरा सोचे, मैं, बावन वर्ष का हूं, मेरे जन्म से पहले वह एक मिशनरी के रूप में वहां पर थी। और फिर मैं सोचता हूं कि मैं प्रचार के कार्य पर आने के लिए बहुत बूढ़ा हो रहा था। और मैं सोचता हूं, "ओह, प्रभु, मुझे क्षमा करें।"

10 और वह, अच्छी है, उतनी ही तेज और प्रतिभाशाली, जितनी वह हो सकती है। और फिर मुझे मार्ग के अनुभव को बता रही थी, और किस तरह से फोर्मोसा और—और चीन, और जापान, और इत्यादि में सुसमाचार की आवश्यकता थी। सो उन्होंने उसे कार्य क्षेत्र से वापस भेज दिया, कहा, "तुम सत्तर वर्ष के पार होने के बाद कार्य क्षेत्रो में नहीं जा सकती, आप जानती हैं।" इसलिए उन्होंने उसे वापस भेज दिया। लेकिन वह शांत बैठने वाली नहीं है, वह इन सारे बैपटिस्ट कन्वेंशनो में जाती है। और उसने कहा, "बिली ग्राहम," कहा, "जिस तरह से वह बैपटिस्ट के संदेश को आगे ले जा रहे थे, बैपटिस्ट कलीसिया का एक कर्जदार था।" कहा, "वह उन्हें इतना दूर नहीं ले गया कि पवित्र आत्मा को पा सके," उसने कहा। ओह, बहन, आप ठीक इसी के साथ बने रहे। यह ठीक बात है। उसने कहा, वे चीनी लोग जो वहां पहले थे, उसने कहा कि वह उनके पास बस ऐसे ही जाकर और नहीं कहेगे, "हम यीशु मसीह पर विश्वास करते हैं।" कहा,

"यह सब ठीक था," लेकिन उसने कहा कि उसने उन्हें कुछ होने तक वहीं रुकने को कहा, और उसके बाद वे सच्चे मसीही बन गये।

11 मैंने कहा, "बहन यह इसी प्रकार से होता है। बस उन्हें बताओ, उन्हें तब तक बने रहने दो जब तक कुछ घटित न हो जाए।"

12 क्या हो यदि प्रेरितों ने कहा होता, अब, नौ दिनों के बाद, "हम विश्वास करते हैं कि हमने इसे पा लिया है, देखो, आओ हम इसे विश्वास के द्वारा स्वीकार करें और अपने काम के साथ आगे बढ़ें"? देखो, यह कभी भी काम नहीं करता। वे वहां रुके रहे जब तक वे जान नही गए कि कुछ तो घटित हुआ है। और यही है जो आज हमारी परेशानी है, हम अधिक समय तक नहीं रुकते हैं। ठीक है, यही कारण है कि बाद में हम बस किसी भी प्रकार का जीवन जी सकते हैं, कुछ भी कर सकते हैं, हमें कोई परेशानी नहीं होती, क्योंकि हम वहां अधिक समय तक नहीं रुके रहते हैं। आज हम अंदर होते हैं, कल हम बाहर होते हैं, और *इस* ओर और *उस* ओर। यदि हम काफी देर तक रुके रहते है जब तक आप अंदर नहीं आ जाते और आपके पीछे दरवाजा बंद हो जाता हैं, तब आप वहीं पर बने रहेंगे। आपको आपके छुटकारे के दिन तक मोहरबंद किया जाता है। मैं इससे बहुत खुश हूं।

13 और हमारे पास एक महान समय था, जैसा कि मैंने कहा, फीनिक्स में और घाटी में से होते हुए और वहां पर बहुत से मसीही थे, उनमें से कई लोग प्रिय जीवन से जुड़े हुए थे।

14 मैं दक्षिण के पहाड़ पर गया, वहाँ पर पत्नी और मैं थे। एक दिन, जब मित्र, मेरे भाई, डॉक् ने दो लड़कियों को लिया, और—और भाई और बहन वुड ने लड़के को लिया, और मेरा और मेरी पत्नी का दूसरा हनीमून था। और उसने कहा, "बिल, आप जानते हैं, यह पहले वाले की तुलना में अधिक हनीमून था।" उसने कहा, "पहली बार जब हम हनीमून पर गए थे, केवल एक चीज जो मैंने की थी, एक छावनी में बैठी हुई थी और आपके शिकार से आने की प्रतीक्षा कर रही थी," उसने कहा।

15 मैंने एक तरह से एक छोटी सी युक्ति का उपयोग किया था, आप जानते हैं। मैंने सोचा, "तो ठीक है, अब, मेरे पास ज्यादा पैसा नहीं है।" एक बेकिंग पाउडर के डिब्बे में बचा कर रखा था, जो शिकार की यात्रा पर जाने के लिए पर्याप्त था, और इसके अतरिक्त मैं उस पतझड़ में विवाह करने जा

रहा था। तो मैंने सोचा, "अब इन सब को एक साथ किया जाये," आप जानते हैं। और—और जब मैं शिकार की यात्रा पर जा रहा था, यह हनीमून होगा, आप जानते हैं, और इसलिए हमने शिकार और हनीमून को एक साथ मिला लिया। लेकिन इस बार हमने इसके लिए भुगतान किया और वास्तव में बाहर गए, और, इसलिए, यह एक अच्छा समय था।

16 और उनमें से बहुत लोग यहाँ आराधनालय से आये है। मैं सोचता हूं भाई सोथमन, उनका परिवार वहां पीछे है, और भाई टॉम सिम्पसन और वे, और भाई मैगुइर, और हम सब के पास प्रभु में महान समय था।

17 और सो हम दक्षिण पर्वत पर चले गए, जो कि फीनिक्स के ठीक दक्षिण में है, और उस मानसिक दबाव से दूर चले गए। ओह! एक आधुनिक शहर में एक दबाव होता है! कोई आश्चर्य नहीं जब लोग धरती पर बढ़ने लगे, पाप, और हिंसा अंदर आ जाती है। और मैंने वहां ऊपर देखा, और बहुत ऊपर बैठा हुआ था जिससे कि हम फीनिक्स की घाटी को देख सके, मैंने पत्नी से कहा, "सोचता हूं कितनी बार, जब से हम यहां पर बैठे हुए हैं इस पंद्रह मिनट में, कि प्रभु का नाम उस शहर में व्यर्थ में लिया गया है? " हम्म?

18 लगभग, ठीक है, महानगरीय क्षेत्र में, टेंपे में और—और सनीस्लोप में, और वहां से होते हुए नाम को लिया जा रहा है, मैं समझता हूं कि ठीक उस घाटी में दस लाख लोग हैं। मैंने कहा, "तीन सौ वर्ष पहले यहां कटीलें पेड़ो और लोमड़ी के अलावा कुछ भी नहीं था। और यह संभव है, प्रभु की दृष्टि में, यह अच्छा होता यदि यह इसी प्रकार से होता।" यह सही है। यद्यपि वह बड़ा—बड़ा सा शहर जो उन्होंने वहां बनाया, और सुंदर घर और इत्यादि, खुबसूरत है। लेकिन यह अच्छा होता, यह अच्छा होता यदि पुरुष और महिलाएं जो सड़कों पर यहाँ और वहां चल रहे थे अपने हाथों को हवा में उठाकर, परमेश्वर की महिमा कर रहे होते और उसे धन्यवाद दे रहे होते। लेकिन, बजाये इसके, यह शाप दे रहा है, शराब पीते जा रहा है। बस सभ्यता को वहां पर आने देते, और वहां पर दुष्टता है।

19 मैंने कहा, "पिछली संध्या को कितने व्यभिचार हुए थे, पिछली रात्रि इस शहर में! कितने लोग नशे में थे! कितने ही घर... कितने—कितने उलटे–पुलटे कार्य इस बड़े शहर में पिछले घंटे में किये गये!"

20 और पत्नी ने मुझसे कहा, उसने तब कुछ इस तरह से कहा, जैसा कि मैंने सोचा, "तब यहाँ पर आने का क्या फायदा होगा? आप यहां आने के

लिए घर से क्यों निकले? ”

21 तब मैंने कहा, “यह वही है जो यह है। इस सब के बाद, जो निश्चित रूप से बहुत सी संख्या में है, लेकिन वहां नीचे कुछ ही संख्या है। पिछली शाम को कितनी विश्वास से भरी प्रार्थनाये वहां पर हुई थी, बस सभा में आते हुए? ”

22 और वह हमारे लिए इतना भला रहा था कि कलीसियाये सूर्यास्त से पहले खचाखच भर जाती, जिससे आप उस स्थान के आस–पास के यार्ड में नहीं पा पाते। और वे संगठन और इत्यादि, और प्रभु ने अपनी आत्मा को उंडेला और उन्हें आशीषित किया। और मैंने कभी कोई उत्तेजना से प्रचार नहीं किया, बस सीधे सुसमाचार पर जोर देता रहा। और कभी–कभी, निश्चय ही, यह बहुत ही कठोर होता है, लेकिन यही केवल तरीका है मैं इसे जानता हूं। यह यहाँ पर कठोर होता है। इसलिए यह न्याय के कटघरे में और कठोर होने जा रहा है, जहां हमें इसके लिए खड़ा होना है। इसलिए, कुल मिलाकर, यह एक महिमामय बात थी। और हम यहां की कलीसिया को प्रार्थना करने के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं और हमें सँभालने के लिए, और—और हमें क्रूस के पास बनाये रखने के लिए।

23 और अब घर वापस आ रहा हूं, यहाँ पर, और मैं आज सुबह आ गया होता हो सकता है कि मैं कुछ बीमारों के लिए प्रार्थना करूं। मुझे बहुत से भेंटवार्ता पर जाना हैं जो प्रतीक्षा कर रहे हैं, उनमें से कुछ मामले जो पिछले कुछ दिनों से मेरे पास आये हैं, जब से मैं यहां पर हूं, वे एक महीने से प्रतीक्षा कर रहे है, जब से मैं गया हूं। इसलिए वे जितनी जल्दी हो सके उन तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें विभिन्न स्थानों से लेने की, जहां वे स्थित हैं।

24 प्रभु ने चाहा, लगभग दो और सप्ताहों में, मैं ट्यूसान जा रहा हूं, यह वहां नीचला भाग है। और अब इस बार बिसनेसमेन, सो आप इसके लिए प्रार्थना कर सकते हैं... मैं कभी भी कुछ भी करना पसंद नहीं करता जब तक कि पहले मैं विश्वास ना कर लूं कि यह प्रभु की इच्छा है। अब, अगला कन्वेंशन मोडेस्टो में होने वाला है और फिर वहां से वाशिंगटन, राज्य में, वाशिंगटन, और ज्यूरिख, फिर फिलिस्तीन, और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका में। और यह सब अभी और जून के बीच में होना है। और मुझे इन सभी कन्वेंशन में प्रचार करने के लिए आमंत्रित किया गया था। और यह मुझे फिर से दक्षिण

अफ्रीका में जाने का अवसर दे सकता है। उनकी पुकार, हर महीने हमें निमंत्रण मिलता है। लेकिन यदि एक...

25 वहां कलीसियाओ में एक बड़ा विभाजन है, पेंटीकोस्टल कलीसियाओ में। और यदि आप एक ओर जाते हैं, तो दूसरे का इससे कोई लेना–देना नहीं है। और वे एक साथ सहयोग नहीं करते है, इसलिए मैं अभी लगभग पांच वर्षों से पीछे हटकर खड़ा हूं, मेरे ह्रदय में जाने के लिए एक पुकार के साथ। और अब, हो सकता है यदि बिसनेसमेन मुझे वहां ले जाये, बस इतना ही पर्याप्त है कि स्थापित हो जाये, यह दोनों ओर से होना है, आप देखे, और जिससे कि यह उन सबको ऊंचे स्थान पर लेकर आता है। उन सब को आना होगा और इसमें सहयोग करना है क्योंकि वहां उनकी—उनकी कलीसियाओ की आर्थिक रूप सेआवश्यकताये है, जिससे कि वे वहां आकर उनके उनके चेहरे को बचाये, आप देखो। इसलिए हो सकता है यह प्रभु की इच्छा हो, हालांकि, मैं नहीं जानता। यह अच्छा दिखाई देता है, लेकिन मैं नहीं जानता।

26 और फिर, इस वर्ष में, भाई बॉर्डर्स मुझे यात्रा के कार्यक्रम में, या, निमंत्रण दे रहे हैं। और, ईमानदारी से कहूँ तो, यह पिछले क्रिसमस के बाद से आये निमंत्रणों से भरी दोगुनी *इतनी* मोटी किताब थी। यह मनुष्य के दिमाग के लिए बहुत अधिक है कि इसे हल करने का यत्न करे, इसलिए मैंने उनमें से किसी को भी नहीं लिया। मैं बस एक सभा को लेने जा रहा हूं, और रुका रहता हूं और देखता हूं कि प्रभु मुझे वहां से जाने के लिए कहां कहता है, तब मैं आगे जाऊंगा, और फिर आगे, और जहां कहीं भी वह मुझे जाने के लिए कहता है। इसलिए, आप मेरे लिए प्रार्थना करें।

27 मुझे याद है पिछले वर्ष, भाई... या बहन कॉक्स के साथ वहां पर था, जब भाई आर्गनब्राइट ने मुझे एंकोरेज की इस यात्रा पर जाने के लिए बुलाया। यदि मैं बस यह अनुमान लगाकर चलता कि सब ठीक है तो क्या होता?

28 अब, मैं यह सोच रहा था, यह *अनुमान लगाते* हुए, मैंने इस विषय पर प्रचार किया। मैंने कहा जब मैं वहां पर गया, टेप के लड़कों को बताया, "कोई टेप मत लेना। टेप के वहां मत जाना, मैं उन्हीं विषयों पर प्रचार करने जा रहा हूं जो मैंने यहां किया था।" मैं सोचता हूं मैंने एक प्रचार किया जो मैंने यहां किया, बाकी वे सारे नए प्रचार थे। और भाई मगुइर ने उन्हें ले लिया, उन सभी को।

29 अनुमान लगाते हुए। इसलिए यदि मैं वहां जाता हूं, यह *अनुमान लगाते* हुए, यह निश्चित रूप से जो हुआ उससे भिन्न होता, तो दर्शन पूरा नहीं होता। लेकिन दर्शन पूरा हुआ था, और आप सभी इस बात से अवगत हैं, कि कैसे प्रभु ने आशीष दी।

30 अब, वहाँ एक और बात है जो लंबे समय से मेरे ह्रदय में है। कलीसिया, इसके लिए प्रार्थना करें। यहां आप सब लोग जानते हैं कि जब से मैं छोटा लड़का रहा हूं, मैं इस देश में कभी भी संतुष्ट नहीं हुआ हूं। मेरा ह्रदय पूरी तरह से हमेशा पश्चिम जाने के लिए लालसा करता रहा है। और मुझे याद है जब मैं अपनी सास के लिए घास काट रहा था, वहां पर उस छोटे से स्थान में जो कि... यहाँ कलीसिया से संबंधित था, उस स्थान पर। मैं सीढ़ियों पर बैठा हुआ था, और पवित्र आत्मा ने मुझसे बात की, उसने कहा, "मैं तुम्हें और आशीष नहीं दे सकता जब तक तुम पूरी तरह से मेरी आज्ञा का पालन नहीं करते, जैसे अब्राहम ने किया।" समझे? और, अब्राहम, परमेश्वर ने उसे बताया कि खुद को अलग करें और अपने आप में जाए। और, जब उसने ऐसा किया, तो वह अपने साथ अपने पिता, अपने भतीजे को लेकर गया। और जब तक अब्राहम ने पूरी तरह से परमेश्वर की आज्ञा का पालन नहीं किया, तब तक जो परमेश्वर ने उससे प्रतिज्ञा की थी, उसकी पूरी तरह से पूर्ति हुई थी। और वो बंधन, एक मुख्य बंधन जिसने मुझे यहां बांधे रखा, वह थी मेरी मां। आप यह जानते हैं। और अब माँ प्रभु यीशु के यहाँ जा चुकी है। और मैं—मैं नहीं जानता कि किस ओर मुड़ना है, क्या करना है, इसलिए आप मेरे लिए प्रार्थना करें।

31 अब, भाई नेविल, मैं मंच पर चला गया, मैंने सोचा, "ठीक है, मैं वहां चला जाऊंगा।" किसी ने मुझसे भेंट की और कहा, "ओह, आज रात उनके पास बहुत सारी सभा है।" कहा, "वे प्रचार की सभा, गीत की सभा, प्रार्थना सभा को करने जा रहे हैं, और उसके बाद चंदा लेने जा रहे हैं, और फिर कहा कि उनके पास—कुपास पैर धोने, प्रभु भोज, और बपतिस्मे की सभा है।"

32 मैंने सोचा, "बेचारा भाई! ओह! ओह, वह सब, मैं जानता हूं कि यह क्या है, शायद आज सुबह कठोर प्रचार करने के बाद।" अब, मैंने सोचा, "मैं वहां से निकल जाऊंगा, हो सकता है वह मुझे प्रभु भोज देना चाहेगा।"

33 और उसने कहा, "क्या आप आज रात हमारे लिए बोलेंगे यदि आप

अगुवाही को महसूस करते हैं? " इसलिए मैं जानता हूं कि इसका क्या अर्थ है। तो फिर मैं वापस गया और यहां एक वचन को लिया और कुछ बातों को लिखकर लिया, और हो सकता है प्रभु मेरी सहायता करे कि मैं लगभग चार घंटे का एक छोटा सा संदेश दे दू, और फिर हम अपने—अपने पैर धोएंगे, और फिर प्रभु भोज लेंगे। और फिर, और, ओह, मैं, हो सकता है तब मैं उससे पहले कर लूंगा। नहीं, मैं तो बस आपको ऐसे ही तंग कर रहा था। लगभग बीस, तीस मिनट, और फिर हमारे पास बपतिस्में की सभा होगी, पैर–... इसके बाद क्या करना है, प्रभु भोज? प्रभु भोज इसके बाद आता है, फिर बपतिस्मे की सभा।

34 अब, हम खुश हैं कि आप बपतिस्मा लेने जा रहे हैं। अब, यदि परमेश्वर की इच्छा हुई और यह उसे प्रसन्न करता है, और यह पास्टर और लोगों के साथ ठीक रहेगा, तो अगले रविवार की सुबह मैं बीमारों के लिए प्रार्थना करूंगा, और बोलुंगा, यदि प्रभु ने चाहा तो, इस आने वाले रविवार को, क्योंकि मैं शायद अगले रविवार को फिर से चला जाऊंगा। और अब जब मैं अंदर होता हूं, मैं अंदर आना और—और यहां बोलना पसंद करता हूं, क्योंकि हम एक प्रकार से भाइयों के रूप में एक साथ जुड़े हुए हैं, और भाई नेविल और मैं यहां पर हैं, और हम—हम एक दूसरे से प्रेम करते हैं, और हम—हम—हम नजदीक बने रहना चाहते हैं और एक दूसरे की सहायता करना चाहते हैं जब...

35 यह धर्म विरोधी सा सुनाई पड़ता है, लेकिन मैं आशा करता हूं कि यह आपको इस तरह से नहीं सुनाई देगा, श्रीमान कोरी ने एक बार कहा, वह... मैं एक लैम्प या चिराग अभियान में था, कंपनी के लिए बल्ब बेच रहा था। और उसने बहुत सारे बल्ब खरीदे जो उसे चार या पांच वर्षों तक काम आयेंगे, मैंने पलटकर और उससे एक फोर्ड कार खरीदी। उसने कहा, "बिली, मैं सोचता हूं कि हम एक दूसरे की पीठ खुजा रहे हैं।" तो यही है, तो, बस आवश्यकता के समय में सहायता करना। तो यह—यह ठीक बात है। हम जानते हैं कि कैसे एक दूसरे के बचाव में आना है और एक दूसरे की सहायता करना है।

36 अब, आइये अब इसके सच्चे भाग पर जाये, और यदि मैं गलत नहीं हूं, तो मैं सोचता हूं कि मैं भाई बीलर को वहां पीछे देखता हूं, एक और सेवक भाई। और आज जब मैं वहां से गुजरा, तो भाई जूनी जैक्सन भाई क्रीच

के साथ यहां बाहर यार्ड में खड़े हुए थे। क्या उनकी यहां कभी–कभी सभा होती है? बपतिस्मा की सभा, मैं देखता हूं। तो ठीक है, हम पानी को दे सकते हैं यदि वे व्यक्ति को लेकर आयेंगे। हमारे—हमारे पास पानी है, तो ठीक है।

37 इसलिए अब, कि हम प्रभु भोज लेने जा रहे हैं, मैंने सोचा कि यह अच्छा होगा यदि मैं कुछ मिनटों के लिए प्रभु भोज पर बात करूं।

38 अब, इससे पहले कि हम वचन की ओर जाए, आइए अब हर एक चीज को एक तरफ रख दें, और हमारे सारे बचकानी और बच्चो जैसे हरकतों को, और—और प्रार्थना के द्वारा परमेश्वर की उपस्थिति में प्रवेश करे। आइए हम प्रार्थना करें। अब अपने झुके हुए सिरों के साथ, और मैं हमारे हृदय पर भी भरोसा करता हूं, यदि यहां कोई विनंती है जो... आप परमेश्वर को ज्ञात करवाना चाहते हैं, और चाहते है कि मैं आपको परमेश्वर के सामने याद करूं, क्या आप इसे केवल परमेश्वर की ओर अपना हाथ उठाने के द्वारा ज्ञात होने देंगे। परमेश्वर सबकी और हर एक की विनंती को प्रदान करे।

39 सर्वशक्तिमान परमेश्वर, हमारे प्रभु यीशु मसीह के पिता, जिसने उसे मरे हुओं में से जिलाया और उसे महामहिम के दाहिने हाथ पर बैठाया, हमेशा जीवित रहने के लिए उन चीजों पर बिचवाई करने के लिए जो हम विश्वास करते हैं कि उसने हमारे लिए किया है, और ऐसा होने के लिए इसे स्वीकार करते हैं। हम प्रार्थना करते हैं, प्रभु परमेश्वर, आज रात, कि आप हमारे पापों को क्षमा करेंगे। ओह, हम हर समय लहू के नीचे बने रहना चाहते हैं, क्योंकि हम नहीं जानते कि अब क्या हो सकता है। सारी चीजें समाप्त होने पर है, हम महसूस करते हैं, प्रभु, कि प्रभु का आगमन निकट है। और हम यात्रा करने की तैयारी कर रहे हैं। और जैसा कि हम एक यात्रा के बारे में सोचते हैं, हम सूटकेस के बारे में सोच सकते हैं, और—और अतिरिक्त कपड़े और अतिरिक्त जूतो के विषय में। लेकिन इस यात्रा से कितना भिन्न है! यह सामान को बैग में डालना नहीं है; यह तो बैग को खोलकर, एक ओर रखना है। जैसा कि आपका महान दास, पौलुस ने इब्रानियों की पुस्तक 12वें अध्याय में कहा, "हम हर एक बोझ और अविश्वास को एक ओर रखते हैं जो हमें बहुत आसानी से रोकते है, ताकि हम उस दौड़ में धीरज से दौड़े जो हमारे सामने है।"

40 और हम अब इस आधुनिक संसार के लिए अच्छी बातों की भविष्यवाणी

नहीं कर सकते है। केवल एक चीज जिसे हम आत्मा के जरिये से भविष्यवाणी कर सकते हैं, वो है विपत्ति, परेशानियाँ, भूकंप, बड़ी–बड़ी ज्वार–भाटा की लहरें, सूरज और चाँद का ऊपर ना होना, लौदिकियन युग में कलीसिया, दरवाजे के बाहर मसीह, अंदर आने के लिए खटखटा रहा है। हे परमेश्वर! जैसे पुराने समय में मिकायाह, वह आहाब को आशीष कैसे दे सकता था जबकि भविष्यवाणी उसके विरोध में थी? जब वह महान सामर्थी भविष्यद्वक्ता, एलिय्याह, उसके पास चलकर गया, और क्योंकि उसने उस निर्दोष मनुष्य नाबोत के जीवन को ले लिया था, इसलिए उसने कहा, "कुत्ते तुम्हारे लहू को चाटेंगे।" तब भला कैसे मिकायाह अच्छी बातों की भविष्यवाणी कर सकता था?

41 आज के आत्मा से भरे हुए बच्चे कैसे अच्छी भविष्यवाणी को कर सकते हैं एक पाप से भरे, उग्र लोगों के लिए जिन्होंने प्रभु को बाहर कर दिया है? हे परमेश्वर, हम तो केवल आगे न्याय की कड़वाहट को देखते हैं। और उन लोगों के लिए चिल्लाते है जो सही नहीं हैं, "प्रभु की ओर दौड़ो, क्योंकि वह उस थके हुए देश में एक चट्टान है! वह तूफान के समय में शरणस्थान है। और प्रभु का नाम एक मजबूत गढ़ है, और धर्मी लोग इसमें भागकर जाते है और सुरक्षित हैं।" हम उन बड़े–बड़े नगरों के विषय में भला कैसे सोच सकते हैं जो बने हुए हैं, शरणार्थी के, और जब पीछा करने वाला... मनुष्य का पीछा करता है और वह उस—उस गढ़ के अंदर चला गया, वह सुरक्षित था, उसे कोई भी छू नहीं सकता था। हे परमेश्वर, हम दौड़कर और प्रभु की ओर जल्दी से जाए, क्योंकि वह हमारा शरणस्थान और हमारी सामर्थ है, और संकट में अति सहज से मिलने वाला सहायक। इसलिए, उकाब की आंख से देखते हुए, जैसा कि यह था, संकट को आते हुए देख, बादल मंडरा रहा है, न्याय की गर्जना और बिजली का चमकना धरती पर गिर रहा है, हम जानते हैं कि तूफान नजदीक है।

42 आज रात्रि, प्रभु, हम यहां इनके लिए प्रार्थना करते हैं जिन्होंने अपने हाथो को ऊपर उठाया है। मैं नहीं जानता कि वे क्या चाहते है, पिता, तू जानता है। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उनके बहुमूल्य प्राणों के लिए हर एक चीज की आपूर्ति करेंगे, कि उस हाथ के पीछे का अर्थ जिसके लिए उठाया गया था। इसे प्रदान करें, प्रभु। बीमारों को चंगा करें। थके हुए को धैर्य देना। सताए हुए को आनंद देना। थके हुओं को शांति देना, भूखे को भोजन देना, प्यासे को पानी पिलाये, दुःखी को आनंद देना, कलीसिया

को सामर्थ देना। प्रभु, आज रात यीशु को हमारे बीच में लाये, जैसा कि हम प्रभु भोज को लेने के लिए तैयार हो रहे हैं जो उसकी टूटी हुई देह का प्रतिनिधित्व करता है। हम प्रार्थना करते हैं, प्रभु, कि वह हमसे एक असाधारण तरीके से भेंट करेगा।

43 इस छोटी सभा को आशीषित करें, इसके प्रिय पास्टर, हमारे भाई नेविल और उनके परिवार को, और डिकन, खजांची, और हर एक व्यक्ति जो उपस्थित है। दूसरों को आशीषित करें, प्रभु, सारे संसार भर में, जो प्रभु के आगमन के लिए आनंद के साथ प्रतीक्षा कर रहे हैं, दीवटों को ठीक कर दिया गया, और मशालो को चमकाया गया, और सुसमाचार का उजियाला अंधेरे स्थानों में चमक रहा है।

44 अब, मेरी सहायता करे, प्रभु, इन कुछ शब्दों के साथ। इसे आशीषित करें जैसा कि हम इसे पढ़ते हैं, और हमें विषय को देना, क्योंकि हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

45 अब हम पुस्तक में संत यूहन्ना के 6वे अध्याय को निकाल सकते हैं, और यह अच्छा होगा यदि हम में से हर एक जन इस पूरे अध्याय को पढ़े, जब हम घर जाते है। मैं 47वें पद से आरंभ करते हुए पढ़ना चाहता हूं, आगे 59वें पद तक, साथ ही, बस इस शब्दों पर एक विषय को तैयार करने के लिए: *प्रभु भोज*।

यीशु अब पर्व पर बोल रहा है। यह एक महान समय था, ये पर्व थे। उन्होंने चट्टान से पानी पिया, उस चट्टान का प्रतिनिधित्व करने के लिए जो जंगल में थी। और उन्होंने उस मन्ना को खाया था, जो सैकड़ों वर्ष पहले गिरा था, उसके स्मरणोत्सव में। यह बस एक फसह का पर्व था, जैसा कि आज रात हमारे पास है।

मैं तुम से सच–सच कहता हूं, जो मुझ पर विश्वास करता है, उसके पास अनंत जीवन है।

मैं वह जीवन की रोटी हूं।

तुम्हारे बाप दादों ने जंगल में मन्ना खाया, और मर गए।

यह वह रोटी है जो स्वर्ग से उतरती है, कि मनुष्य उस में से खा सके, और न मरे।

मैं स्वर्ग से उतरी वो जीवित रोटी हूं: यदि कोई मनुष्य इस रोटी में से खाए, तो वह सदा जीवित रहेगा: और जो रोटी मैं दूंगा वह मेरा मांस है, जिसे मैं संसार के जीवन के लिए दूंगा।

इसलिये यहूदी आपस में बात करके कहने लगे, यह मनुष्य क्योंकर अपना मांस हमें खाने को दे सकता है?

तब यीशु ने उन से कहा, मैं तुम से सच सच कहता हूं, जब तक तुम मनुष्य के पुत्र का मांस ना खाओ, और उसका लहू पीओ, तुम में कोई जीवन नहीं।

जो कोई मेरा मांस खाता है, और मेरा लहू पीता है, उसके पास अनन्त जीवन है; और मैं उसे अंतिम दिन जिला उठाऊंगा।

क्योंकि मेरा मांस वास्तव में खाने के लिए है और मेरा लोहू वास्तव में पीने के लिए है।

वह जो मेरा मांस खाता है, और मेरा लहू पीता है, वह मुझ में रहता है, और मैं उसमें।

जैसा जीवते पिता ने मुझे भेजा और मैं पिता के कारण जीवित हूं: वैसा ही वह भी जो मुझे खाएगा मेरे कारण जीवित रहेगा।

यह वह रोटी है जो स्वर्ग से नीचे आई है: जैसा तुम्हारे बाप दादों ने मन्ना खाया, और मर गए, लेकिन वह जो खाता है... इस रोटी को वो हमेशा के लिए जीवित रहेगा।

ये बातें उस ने कफरनहूम के एक आराधनालय में उपदेश देते समय कहीं।

46 प्रभु अपने वचन को आशीष दे। मैं कुछ मिनटों के लिए इस पर बोलना चाहता हूं: *प्रभु भोज। प्रभु भोज* या कम्यूनियन शब्द का क्या अर्थ है? *कम्यून* का अर्थ होता है "बातचीत करना।" यह होने के लिए, के लिए... *कम्युनिकेशन* का वास्तव में अर्थ होता है, "एक दूसरे के साथ संगति करना, एक दूसरे के साथ बात करना।" यदि आप किसी से फोन पर बात करते हैं, आप वहां वार्तालाप करते हैं, आप एक दूसरे के साथ बातचीत कर रहे हैं। और यदि हम एक ओर आकर और भवन के पीछे खड़े हो जाये, कोई भी व्यक्ति और पास्टर, या कोई भी दो लोग, वे एक दूसरे के साथ वार्तालाप करते हैं।

47 अब, आप रेडियो के द्वारा बातचीत नहीं करते हैं, क्योंकि आप रेडियो के साथ या टेलीविजन से वापस बात नहीं कर सकते। लेकिन जब... आप टेलीफोन में से होते हुए कर सकते हैं, इसलिए आप एक दूसरे से बातचीत कर रहे हैं, ये बस एक तरफ से नहीं है। यह... मैं अभी आपके साथ वार्तालाप नहीं कर सकता, क्योंकि आप वापस बात नहीं करते हैं। सो, इसलिए, ऐसा एक सेवक को अपना संदेश देने के लिए सुनने के समय पर नहीं होगा। ऐसा नहीं होगा, एक साथ आना होता है, वार्तालाप करने के लिए। प्रभु भोज ऐसा नहीं होगा... यदि आप केवल सेवक के साथ बातचीत करने के लिए आते हैं, तो आप उसे एक ओर बुलाते हैं, या कोई भी व्यक्तिगत, और बहन या भाई के साथ बातचीत करता है।

48 लेकिन जिस बात में हम आते हैं, प्रभु भोज, हम में से हर एक के लिए व्यक्तिगत रूप से मसीह के साथ बातचीत करना होता है। यह वार्तालाप करना है। तब, ये कुल मिलाकर ऐसा नहीं है *एक* जन बात करते जा रहा है, हम सब बोलते जा रहे हैं, लेकिन हमें रुकना है और देखना है कि वह वापस हमसे क्या कहता है।

49 अब, वही है जहाँ, बहुत सी बार, कि हम अपनी बड़ी–बड़ी गलतियाँ कर बैठते हैं, वो है, हम सारी बातें करते रहते हैं और प्रतीक्षा नहीं करते हैं और उसे वापस उत्तर देने का मौका नहीं देते हैं। हम कभी–कभी जाते हैं, कहते हैं, "प्रभु, मैं चाहता हूं कि आप *ऐसा–और–ऐसा* और *ऐसा–और–ऐसा* करें, आमीन," और उठकर और चले जाते हैं। अब, यह वास्तव में वार्तालाप करना नहीं है। यह बोलते जाना और अनुग्रह को मांगते रहना। लेकिन जब आप लंबे समय तक रुके रहते हैं जब तक कि वह वापस उत्तर नहीं देता है, यही है जब आप वार्तालाप में होते है, प्रभु के साथ बातचीत कर रहे होते हैं। अब, और बातचीत करने का एक महान तरीका है, ये सहमत होना है, आपको कुछ बातों पर सहमत होना ही है। अब, और यह अजीब बात है कि कभी–कभी जब हम उन चीजों को लेते हैं...

50 खाना इसके साथ जुड़ा हुआ है। अब, आप व्यवसायी लोगों को लेते हैं, जब वे एक व्यापारिक लेंन–देन को करना चाहते हैं, तो वे किसी को बाहर रात के खाने पर आमंत्रित करेंगे। और वे बैठकर और खाना खाने के बाद, और फिर एक दूसरे से बात करते हैं। एक अच्छा सेल्समैन, अक्सर वह एक खाली पेट वाले व्यक्ति से बात नहीं कर सकता। जब तक वह अच्छा

महसूस नहीं कर रहा है, तब तक रुकना सबसे अच्छा है, और तब उसके नाश्ते के बाद। वहां पर जाकर और उसे बिस्तर से उठाकर और उसे किसी चीज के बारे में ना बताये जो आपको उसे बेचना है, लेकिन रुके रहना जब तक वह अपना नाश्ता ना कर ले और—और पूरी तरह से ठीक स्थिति में आ जाए।

51 उस दिन, उस स्त्री पर प्रचार कर रहा था जिसने यीशु के पैर धोए थे, वहां कनाडा में मैं इस पर बोल रहा था, कि जब एक अतिथि दूसरे व्यक्ति से मिलने आया, इस व्यक्ति के पास कुछ प्रक्रियाये थी जिसमें से होकर उन्हें जाना था इससे पहले कि वे वास्तव में भेंट करने को आने के लिए ठीक महसूस करते, या, बातचीत करने के लिए। एक भेंट एक वार्तालाप करना होता है। अब, वे वहां पर आते... निमंत्रित किये गये, पहले तो आपको आमंत्रित किया जाना है। तब आप दरवाजे पर आते है और सेवादार पैर को धोता है, क्योंकि यात्रा करते हुए, आप पर रास्ते में की जानवरों की—की गंध होती है और आदि–आदि। वे सब... लोग पशु के साथ उसी मार्ग पर चलते, और—और तब वहां पर की कुछ गंध और धूल होती थी, और फिलीस्तीनी के वस्त्र में धूल लग जाती और यह पैरों के पसीने पर जम जाती, और चेहरे पर जहां यह खुला हुआ था, और—और हाथों पर। और—और वे उन्हें दरवाजे पर रोककर, सेवा करने वाला, और उनके पैर को धोता। और फिर एक और व्यक्ति वहां एक तौलिया और एक—एक संगमरमर के पात्र के साथ खड़ा होता था, और वे इस संगमरमर के पात्र से हाथों पर छिड़कते, और वे इसे *इस* तरह से रगड़ते, और—और इसे उनके चेहरे पर मलते, फिर एक तौलिया लेते और अपने आप को पोंछते। इससे सारी गंदगी और गंध साफ़ हो जाती। और इसमें ऐसा कुछ तो होता जो ताजगी को देता है, जैसे पुदीना, और इससे उन्हें बेहतर महसूस होता।

52 फिर जब वे अंदर जाते, ना ही आपके पुराने गंदे जूतों को पहने हुए, वे अच्छे मखमल के कालीन, उनके पास कुछ, एक छोटे से घर की चप्पल की तरह होते, और वे पहनकर अंदर चलकर जाते। और तब वो—वो मेहमान अंदर जाता और—और फिर आयोजक उनके स्वागत के लिए उन्हें चूमता—चूमता। और, देखो, आप नहीं चाहेंगे कि आयोजक आपको चूमें यदि आपमें से बुरी गंध आती है। जब आप गंदे होंगे तो आप कालीनों पर नहीं चलना चाहेंगे। और फिर आयोजक आपका स्वागत करते हुए चूमेगा, और तब आप बस घर में से एक होते थे।

53 और, अब, परमेश्वर के पास ऐसी ही बातें हैं। इससे पहले कि हम वास्तव में परमेश्वर की बातचीत के लिए तैयार हों, हमें अवश्य ही पहले वचन के जल से धोया जाना चाहिए। अलगाव, अलगाव का जल से जो हमें हमारे पापों से अलग करता है। अब, पहला, आप परमेश्वर से बात नहीं कर सकते और आप परमेश्वर के साथ वार्तालाप नहीं कर सकते, और वहां... पहले, जो आपने किया है उसके लिए आपको पश्चाताप करना होगा, क्योंकि आप तब तक विश्वास नहीं कर सकते जब तक आप पश्चाताप नहीं करते, "प्रभु, मेरे अविश्वास के लिए क्षमा करना।" समझे? "मेरे अविश्वास को क्षमा करें।" आपको पहले पश्चाताप करना होगा। और, जब आप पश्चाताप करते हैं, तब आप... आपके पीछले पाप क्षमा हो जाते हैं, तब आप बपतिस्मा के लिए एक उम्मीदवार होते हैं। अब, उसके बाद उसने पवित्र आत्मा की प्रतिज्ञा की, बपतिस्मे के बाद।

54 अब, बात यह है कि, इस बातचीत पर, हम पाते हैं कि वहां पर एक—एक पैर का धोना होता था और उससे जुड़ी चीजें थी, साथ ही, हमारे पैरों को धोना, जो कि पवित्र आत्मा की शुद्धता के प्रतीक के रूप में है।

55 अब, तब, वहां अवश्य ही एक जैसी अनुभूति होनी चाहिए। यदि आप अपने—अपने आयोजक के साथ तीव्रता पर होते हैं, तो आप—आप वार्तालाप नहीं कर सकते। नहीं, आप—आप ऐसा नहीं कर सकते, क्योंकि आप उससे असहमत हैं। लेकिन यदि आप सहमति में हैं, तो आप बातचीत कर सकते हैं। तो इसी तरह से जब हम प्रभु की मेज पर आते हैं, तो हमें उसके वचन के साथ सहमत होना है। देखा? हमें फिर से जन्म लेना ही है, परमेश्वर का आत्मा हम में कह रहा है हर एक वचन के लिए "आमीन" जो उसने लिखा है, तब हम उसके साथ बातचीत कर सकते हैं।

56 यह हमारे पास परमेश्वर की ओर से है, यदि हमारे ह्रदय हमें दोषी नहीं ठहराता हैं, तो हमारे पास परमेश्वर से अनुग्रह है। हम जानते हैं कि हमें हमारे अनुरोध और हमारी विनंती का उत्तर मिलेगा, क्योंकि हमारे ह्रदय हमें दोषी नहीं ठहराते हैं। अब, यदि परमेश्वर हमें बताता है कि हमें फिर से जन्म लेना ही है, और हमने नया जन्म नहीं पाया है, तो हम इस विषय में थोड़ा अजीब सा महसूस करेंगे कि जाकर, उससे कुछ भी मांगे, देखो, क्योंकि हम जानते हैं कि हमने उसकी मांग को पूरा नहीं किया है। तब केवल एक चीज है ये पापी की प्रार्थना है। लेकिन हम उसके साथ बात करते हैं

जब हम उसके साथ संगति में होते हैं, जो प्रभु भोज को लाता है।

57 अब, प्रभु भोज का यह अर्थ, मैं थोड़ी देर के लिए समझाना चाहता हूं। अब, हम लेते हैं, जिसे हम *प्रभु भोज* कहते हैं, वह रोटी और दाखरस है। अब, इसे इतना गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है, यहां तक कि इसके बारे में बोलना भी अच्छा नहीं है। ओह, किस तरह से इसे वर्षों से गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है! यह वास्तव में प्रभु भोज नहीं है, यह तो बस एक आदेश का पालन करना है। देखा? अब, इसका कारण हम इसे प्रभु भोज कहते हैं, क्योंकि यह कैथोलिक संघ से आया है इसके मायने में "पवित्र युहरिस्ट या अंतिम भोज संस्कार, जो कि वास्तविक प्रभु यीशु की देह है।" लेकिन यह प्रभु यीशु की देह नहीं है! यह केवल उसकी देह के स्मरणोत्सव में है।

58 मैं परवाह नहीं करता कि कितने याजक या प्रचारक, या जो कोई भी इसे आशीषित करता है, यह फिर भी रोटी और दाखरस है। कोई भी याजक नहीं है जैसा कि हम... वे हमें बताते हैं, कि, "परमेश्वर बाध्य है कि वो याजक की सुने, जब वह प्रभु भोज को देता है," जिसे वे प्रभु भोज कहते हैं, "युहरिस्ट या अंतिम भोज संस्कार, प्रभु यीशु की वास्तविक देह में। तब विश्वासी इसे लेता है, और यह प्रभु भोज है।" यह गलत है!

59 *कम्यून* या प्रभु भोज "बात करना, उसके साथ वार्तालाप करना, कुछ ऐसा जिस पर आप बोल सकते हैं और यह आपसे वापस बात करेगा।" यह बातचीत करना है। एक पतली सी पापड़ी वापस बात नहीं कर सकती। तो, वास्तव में, वास्तविक प्रभु भोज पवित्र आत्मा है जो वापस बोलता है। जब आप उससे पूछते हैं, तब वह वापस बोलता है, यह सही प्रभु भोज है। *यह* एक यादगार है, लेने के लिये... उसके क्रूस पर चढ़ने और उसके पुनरुत्थान का, और ना ही एक भोज के लिए। हम इसे ऐसा कहते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। यह कैथोलिक कलीसिया से आया है, इस पतली सी पापड़ी को लेते हुए जैसा कि हम उस दिन क्रम में से होकर गए है, और इसके बारे में *पागानवाद बनाम मसीहत* पर बात कर रहे हैं।

60 "कैसे ये छोटी सी गोल पतली सी पापड़ी मसीह की वास्तविक देह होती है।" अब, कैथोलिक कलीसिया यह विश्वास करती है। क्या आपने कभी उन्हें एक कलीसिया से बाहर गुजरते हुए ध्यान दिया है, वे हाथ से अपने आप को क्रूस बनाते हैं, अपनी टोपी को झुकाते हैं, और आदि–

आदि? यह कलीसिया नहीं है, यह वहां पर वो पतली सी पापड़ी होती है, "वह देह जिसे याजक ने पतली सी पापड़ी से मसीह की वास्तविक देह में बदल दिया है," जहां पर चूहे और मूस इसे उठा कर ले जा सकते है। क्यों, आप क्यों नहीं सोचते, आम नागरिक सोच की तरह सोच रख सकते और सोचते है कि रोटी का टुकड़ा प्रभु यीशु की देह होगी! यह नहीं हो सकता।

61 *प्रभु भोज* का अर्थ है "बात करना, और यह वापस बात करता है, कुछ तो जिससे आप बात करते हैं।" *कम्यून* शब्द का अर्थ होता है, "बात करना," या, "किसी ऐसी चीज के साथ जुड़ना जो आपसे वापस बात कर रही है।" और परमेश्वर आपसे वापस बात करता है, प्रभु भोज। और यह अब भी रोटी और दाखरस है, जिसे हम *प्रभु भोज* कहते हैं।

62 अब, यीशु ने यहां कहा, जैसा कि मैंने पढ़ा, "मेरी देह मांस और पेय है, मेरा लहू, देह और लहू मांस और पेय है।"

63 अब, हम यीशु के विषय में सोचना और उसका साथ चाहते हैं, वह जो था। उसकी देह क्या है? मसीह की देह क्या है? यह विश्वासियों की देह है जो उसके साथ पवित्र आत्मा में जुड़ी हुई है। ना ही कोई मूर्ति, ना ही रोटी का टुकड़ा, लेकिन एक आत्मा जो विश्वासी के हृदय में है, और वे एक साथ जुड़े हुए हैं, कि जब मनुष्य और परमेश्वर एक दूसरे से बात कर सकते हैं, परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां। मरणहार मनुष्य, लहू के बहाने के द्वारा पाप की क्षमा को लेकर आया, और यह पुरुष और यह स्त्री, लड़का या लड़की, जिसकी मसीह के साथ संगति है, उसके साथ बातचीत कर रहा है, वो देह।

64 जैसे कि एक पति और पत्नी बैठकर और इस पर बात करते है, या एक लड़का और उसकी लड़की मित्र, मसीह और उसकी कलीसिया एक साथ बातचीत कर रहे हैं। यही वो कारण है कि हम उससे सुन सकते हैं, और भविष्य को देख सकते हैं, इससे पहले कि वह यहां आए, और भविष्य को बता सकते हैं कि यह सिद्ध है, क्योंकि हम परमेश्वर के साथ बातचीत करते हैं, जो उसके हाथ में अनंतता को थामे हुए है। एक दूसरे के साथ बातचीत करना, मसीह की देह, रहस्यमयी, मसीह की आत्मिक देह। ना ही किसी प्रकार की मूर्ति के साथ, या एक रोटी या कुछ—कुछ दाखरस के साथ, लेकिन एक—एक आत्मिक रूप में।

65 अब, यीशु ने उसी बात को कहा। आप संत यूहन्ना को ले, 4था अध्याय,

उस महिला से कुएं पर बात करते हुए, वह इस प्रकार की बात पर बोल रही थी जैसे, "हमारे पूर्वजों ने इस सोते में से पिया, और इस कुएं को खोदा, याकूब ने, और—और अपने बच्चो को और पशुओं को इस जल को दिया, और आप कहते हैं, '*किसी* नगर में आराधना करो,' और दूसरे कहते हैं, 'इस पहाड़ पर।'"

66 यीशु ने इतना—इतना तक कहा, "बस एक मिनट रुकना! हम यहूदी हैं, और हम समझते हैं कि क्या है, आराधना का क्या अर्थ है। लेकिन इसे सुनना, महिला। वह घड़ी आ रही है, और अब है, कि सच्चे आराधना करने वाले परमेश्वर की आराधना आत्मा में और सच्चाई में करेंगे। 'तेरा वचन सच्चा है।' और पिता ऐसो को ढूंढता है जो उसकी आत्मा में और वचन में, सच्चाई में आराधना करे। 'तेरा वचन सच्चा है।'" अब, उसने यह स्त्री को बताया।

67 देखो, मसीह... परमेश्वर एक आत्मा है। *मसीह* का अर्थ है "अभिषिक्त, परमेश्वर से अभिषिक्त मनुष्य," जिसने उसे मसीह बनाया। अब, मसीह ने कहा, "मैं भोजन और पेय हूं।" ना ही एक पतली सी पापड़ी, ना ही एक पतली सी पापड़ी जिसे हम यहां लेते हैं। यह मसीह नहीं है। जो दाखरस हम वेदी पर पीते हैं, वह मसीह नहीं है। यह उसका प्रतिनिधित्व करता है, एक दृष्टान्तरूपी तरीके से। लेकिन मसीह पवित्र आत्मा है, वो अभिषेक जो कलीसिया पर है, यही वो मांस और पेय है।

68 सबसे बड़ी पुकार जो सारे संसार में है, मैं आशा करता हूं कि आप में से किसी ने भी इसे कभी नहीं सुना होगा, लेकिन, यदि आपने कभी सुना है, तो भूख की पुकार के बराबर कोई पुकार नहीं है। जब आप एक माँ को उसके बच्ची के साथ देखते हैं, और वह चल नहीं सकती है, वह बहुत ही कमजोर है, और वो छोटी बच्ची मर रही होती है, उसका पेट भूख से सूज गया होता है, उस माँ के हृदय से आ रही उन सिसकियों को सुनकर, उस बालक को देखें जिसके गाल अंदर की ओर खींचे हुए होते हैं, इतना तक कि वे खाल और हड्डियां बन जाती है, और उसके छोटे–छोटे मसूड़े चमकते हों, और वह शोर नहीं कर सकती, मुश्किल से, उसकी छोटी आंखें बाहर निकली हुई होती है। भूख और प्यास के समान कोई पुकार नहीं है।

69 वहां बाहर रेगिस्तान के अंदर, कितने मनुष्य प्यास से अपने जीवन को खो चुके हैं! बहुत सी कहानियां, जो मैं आपके लिए सारी रात रख सकता

हूं, उन रेगिस्तान की सच्ची कहानियों की। किस तरह से कि जब आप... प्यासे हो जाते हैं, तो कैसे शैतान आपको एक—एक मृगजल या धोखे को देता है। आपने उन्हें यहां देखा है, आपको उन्हें देखने के लिए पश्चिम जाने की आवश्यकता नहीं है। सड़क पर जाते हैं, और ऐसा दिखाई देता है कि आगे सड़क पर पानी है। आप में से हर एक ने इसे देखा है, जो गाड़ी चलाकर और महामार्ग पर जाते रहे हैं। यह एक झूठा मृगजल है। यहां कुछ समय पहले, लगभग तीन या चार वर्ष पहले, मैंने पढ़ा था, जहां कुछ बत्तखें, उस देश के पार से उड़ कर आ रही थी, एक मृगजल को देखा और सड़क पर गिर पड़ी, यह सोचकर कि वे पानी में जा रही है। और उनका बस कचुम्बर निकल गया, ठोस रास्ते पर जोर से गिर पड़ी, यह सोचकर कि वे पानी में उतर रहे है, एक मृगजल।

70 कितनी बार शैतान ने लोगों के साथ ऐसे ही काम को किया है, उन्हें एक झूठे मृगजल को देता है, जहां, वहां कुछ भी नहीं है, लेकिन यह केवल एक बनावटी विश्वास है। बहुत से लोगो के पास आज एक बनावटी विश्वास हैं, कुछ तो दिखावा करने की कोशिश करते है या ढोंग कि वहां कुछ तो है जब कि यह ऐसा नहीं है! जैसे कि छोटी मिशनरी महिला ने कहा कि उसने तब तक प्रतीक्षा की जब तक वह सकारात्मक नहीं हो गयी थी। बेहतर होगा कि हम इसे करें। आप वापस आकर और इसे फिर से कोशिश नहीं कर सकते। आपके पास एक मौका है, और आपके पास नक्शा या रुपरेखा है, इसलिए अच्छा होगा कि हम सीधे निशाने पर चले जाए।

71 भूख की पुकार, सुनना, यह एक बड़ी पुकार है क्योंकि यह एक कष्टदायक पुकार होती है। व्यक्ति मर रहा होता है। और, ओह, यदि हम उस स्थान पर पहुँच सकते हैं, यदि यह राष्ट्र एक ऐसे स्थान पर पहुँच सकता है जहाँ यह परमेश्वर के लिए बहुत ही भूखा हो! यह भारत जैसे राष्ट्रों से भी बदतर भुखमरी में है जो शारीरिक रूप से भूखे मर रहे हैं, यह राष्ट्र आत्मिक रूप से भूखा मर रहा है। लेकिन आपके इतने लंबे समय तक भूखे रहने के बाद, यह उस स्थान पर पहुंच जाता है, आप नहीं जानते कि आप भूखे हैं।

72 बिल्कुल ठंड में जमने की तरह। इतनी दूर जाने के बाद, ठंड से जमना, आप बहुत ठंडे हो जाते हैं, फिर थोड़ी देर के बाद आप गर्म हो जाते हैं। और जब आप करते हैं, तो आप मर रहे होते हैं! और आज रात यही मामला है। कलीसियाये इतनी ठंडी हो गयी है इतना तक कि वे ठंड से जम रही

है, और सोचते है कि वे गर्म है, सदस्यता के द्वारा, और आत्मिक रूप से मर रहे हैं। मर रहे है! यह नहीं जानते। अंत में, वह सोने के लिए लेट जाते है, और बस इतना ही है। वह फिर कभी नहीं जागता, क्योंकि उसका लहू उसकी नसों में जम चूका है।

73 अब, प्यासा होना। यीशु ने कहा, "मेरा लहू वास्तव में पेय है।" यदि आप जीवन के लिए भूखे हैं, जीवन के लिए भूखे हैं, तो यीशु के पास ही केवल जल है जो उस प्यास को बुझा सकता है। "हे सब परिश्रम करने वालो और बोझ से दबे लोगो, मेरे पास आओ।" प्रकाशितवाक्य में, इसने कहा, "वह जो प्यासा है वह जीवन के जल के सोते के पास आए और मुफ्त में पीये।" यदि आप जीवन के लिए प्यासे हैं!

74 हम देखते हैं कि खगोलविद्या वाले अनुमान लगा रहे हैं, किसी समय इस आरंभिक भाग में या महीने के पहले भाग में, दूसरे या पांचवें से आरंभ करते हुए, या कहीं तो इस महीने के आसपास, भारतीय खगोलविद्या वाले अनुमान करते हैं कि दुनिया टुकड़े–टुकड़े हो जाएगी। और अमेरिकी अखबार इसका मजाक उड़ाते हैं। मैं विश्वास नहीं करता कि दुनिया के टुकड़े–टुकड़े होने जा रही हैं, लेकिन मैं कहता हूं कि इसका मजाक उड़ाना गलत है। क्योंकि, इन दिनों में से किसी एक दिन कुछ तो इसी प्रकार का घटित होने वाला है, जब पांच ग्रह, मार्स, जुपीटर, और वीनस, और—और इत्यादि, उनके—उनके उस बात पर आते... उन्होंने ऐसा कभी नहीं किया है। ओह, वे शायद पच्चीस हजार वर्ष पहले दावा करते हैं, लेकिन इसे जानने के लिए वहां पीछे कौन था?

75 मैं अनुमान लगाता हूं कि यह एक आत्मिक बात पर लागू होता है। मैं विश्वास करता हूं कि यह परमेश्वर के विषय में आ रहा है, कि वचन के वे महान प्रकाशन इस समय के दौरान खोले जाएंगे। याद रखें, वे दावा करते हैं कि यह तीन तारे उनकी परिक्रमा के क्षेत्र या कक्षा में आए थे जब यीशु का जन्म हुआ था। और यह पांच है, और पांच अनुग्रह है, अनुग्रह की संख्या। तीन सिद्धता की संख्या है। पांच अनुग्रह की संख्या है, जे–ई–एस–यू–एस, जी–आर–ए–सी–ई, एफ–ए–आई–टी–एच, इत्यादि। अनुग्रह की संख्या! परमेश्वर अपनी सामर्थ कलीसिया के लिए भेजता है, यह उसका अनुग्रह होगा, यह लोगों की आज्ञाकारिता नहीं होगी। और यशायाह ने 40वें अध्याय में कहा, कैसे "यरूशलेम के लिए पुकारो, कि उसका युद्ध समाप्त

हो गया था," फिर भी वह मूर्तिपूजा की दोषी थी, लेकिन यह परमेश्वर का अनुग्रह था जो इसे भेज रहा था। परमेश्वर हमारे लिए कुछ भी भेजता है, यह उसका अनुग्रह होगा और ना ही हमारी योग्यता। तो, इसका कुछ मतलब हो सकता है। मैं भविष्यवाणी करता हूं कि एक बदलाव होगा। मैं नहीं जानता कि यह क्या होगा, लेकिन मैं विश्वास करता हूं कि यह घटित होना तय है। हम... ठीक अब इसकी पूर्व संध्या पर हैं।

76 और यदि कोई मनुष्य भूखा है, तो वह मसीह के पास आए। यदि कोई मनुष्य प्यासा है, तो वह मसीह के पास आए। वह प्यास को बुझाता है। वह हमारी सारी प्यास और भूख को संतुष्ट करने वाला है।

77 मेरे पास एक कहानी थी जो मुझे कुछ समय पहले बताई गई थी। मैंने हो सकता है इसे इस कलीसिया में बताया होगा। यदि मैंने बताया है, तो आप मुझे इस बात को दोहराने के लिए क्षमा करें कि यह बस उस बात तक लाने के लिए है। वहां एक भारतीय मार्गदर्शक था, या, एक प्रकार से भारतीयों का सर्वेक्षक था। वह नवाजो देश में यात्रा कर रहा था, और भटक गया था। उसका नाम कोय था। और वह एक पदचिन्ह की ओर जा रहा था, एक शिकारी के पदचिन्ह, और उसने सोचा, "अब, यदि मैं इस पदचिन्ह पर पहुँचता हूं, तो मुझे निश्चय ही पानी मिल जाएगा।" और उसका घोडा इतना प्यासा था इतना तक कि उसकी जीभ बाहर लटक रही थी, सूखी, नथुने लाल हो गए थे और रेत से सने हुए थे। उसने अपने रूमाल को अपने चेहरे के ऊपर पकड कर रखा था उस बालू के तूफान में इतना तक कि वह पक सा गया था, और वह पानी पीने के लिए मर रहा था। और वह अपने घोड़े को आगे की ओर ले जा रहा था, जब वो पदचिन्ह पर पहुँचा। और उसने कहा, जब वह घोड़े पर चढ़ा तो उसने इस शिकारी के निशान को देखा, कहा, "निश्चय ही यह मुझे पानी की ओर ले जाएगा।" इसलिए वह कूद कर अपने घोड़े की पीठ पर बैठ जाता है और पदचिन्ह पर से आगे की ओर बढ़ने लगा।

78 और घोडा भी यह जानता था कि वह जल के मार्ग पर है। परमेश्वर किस तरह से गूंगे जानवरों को सहज ज्ञान देता है! और पदचिन्ह से नीचे चले गये। अंत में, कुछ चिन्ह एक ओर मुड़ गए, बस कुछ घिसे–पिटे रास्ते बने हुए थे। घोड़ा उस ओर मुड़ना चाहता था, लेकिन कोय ने अलग सोचा। उसने इसे मुख्य दिखाई पड़ते पदचिन्ह के बने हुए निशान पर बने रहने की

कोशिश की, और वह आगे बढ़ने लगा और घोड़ा आगे नहीं गया। उसने इसे आगे लेने का प्रयास किया, और ये हिंनहिनाने लगा और दूसरे मार्ग पर आगे बढ़ने लगा। और यह पीछे की ओर बढ़ने लगा। वह इतना कमजोर हो गया था कि उसका विरोध भी नहीं सकता था।

79 इसलिए उसने फिर से उकसाने के लिए खींचना आरंभ कर दिया, इतना तक कि पानी को पाने के लिए वो इतना उत्तेजित हो गया उसने घोड़े पर प्रहार कर दिया, कि उसका जीवन बच जाये, यहाँ तक कि घोडा खड़ा हुआ कपकंपा रहा था, लहू बह रहा था। और उसने नीचे देखा, वहां नीचे देखा, और वह *इस* तरह से कांप रहा था और लगभग उसके तले गिरने लगा। उसने उसकी ओर देखा, और उसके बगल पर लहू को देखा। वह एक मसीही था। और उसने अपने घोड़े से कहा, उसने कहा, "मैंने अक्सर सुना है कि जंगली... या, जानवरों के पास एक सहज–ज्ञान होता है। यह ऐसा नहीं दिखाई पड़ता कि वो छोटा सा झुंड इस तरफ मुड़ गया हो, जो पानी की ओर जाएगा। ऐसा प्रतीत होता है कि यहाँ यह बड़ा मार्ग उस ओर ले जाएगा जहां वे निरंतर पानी की ओर बढ़ रहे होंगे, लेकिन," कहा, "यदि तूने मुझे विश्वासयोग्यता से यहां तक ले आया है, तो मैं तुम्हारे सहज–ज्ञान का अनुकरण करूंगा।"

80 ओह, किस तरह से मैं इस बारे में मसीह के विषय में सोचता हूं! विनाश का मार्ग नियुक्त किया गया है और सारे मार्ग में दिखाई पड़ते निशान है, लेकिन वहां एक संकरा मार्ग है जो जीवन की ओर ले जाता है। थोड़े ही होंगे जो इसे पाएंगे। केवल, ना ही सहज–ज्ञान से, लेकिन पवित्र आत्मा आपको जीवन के जल की ओर मोड़ देगा। मैं सोचता हूं, इसने मुझे यहां तक सुरक्षित लेकर आया है, मैं इसे बाकी के रास्ते पर ले जाऊंगा।

81 कहानी को समाप्त करता हूं, वह—वह आधा मील भी नहीं गया था, इतना तक कि, अचानक से, वो विश्वासयोग्य घोडा सीधे पानी के एक बड़े गड्ढे में छलांग लगाई। घोडा जानता था कि ये किस बारे में बता रहा था, उस—उस घुडसवार के सामने इसके व्यक्त करने के तरीके का क्या अर्थ था। वह वहां पर पहुंच गया। उसने कहा कि उसने घोड़े की नाक में पानी को उछाला। वो अपने ऊपर पानी डालने लगा, वह चीखने लगा और वह चिल्लाने लगा, और वह अपनी सबसे तेज आवाज से चिल्ला रहा था, और उसके गले में पानी डाल रहा था, और चिल्ला रहा था, "हम बच गए हैं! हम

बच गए हैं! हम बच गए हैं!" और घोडा, पानी पी रहा था, और फडफडा रहा था। और उसने उसकी लहूलुहान बगल की ओर देखा, तब सारे खाल खीचने से उबरे हुए निशान ऊपर आ गए थे।

82 और तभी कहा, उसने कहा... किसी को कहते सुना, "पानी में से बाहर आओ।" और उसने देखा, और वहां एक छोटा सा विकृत चरवाहा खड़ा था। और वह पानी से बाहर आ गया। उसने कहा कि उसे आग की गंध आ रही थी, और उसने वहां देखा, और वहां पर पुरुषों का एक झुंड छावनी लगाये हुए थे। वे एक भूवैज्ञानिक सोने की धातु की खोज करने वालो के पोशाक पहने हुए थे। उन्होंने कुछ सोने को खोज निकाला था, और वापसी के रास्ते पर थे उनके साथ उनके घोड़े थे और घोड़ो को साथ लेकर, और वे इस पानी के खड्डे के पास आकर और विश्राम कर रहे थे, और वे सब शराब पीये हुए थे।

83 और कहा कि उनके पास कुछ हिरन के मांस का खाना है, और उसने उनके साथ खाया। और कहा, उनमें से एक ने कहा, "कुछ शराब पी लो।" उसने उन्हें बताया कि वह कौन था, वह जैक कोय था, वो—वो भारतीय मार्गदर्शक। सो उसने कहा, "अच्छा, अब, शराब पी लो।"

उसने कहा, "नहीं," उसने कहा, "मैं नहीं पीता।"

84 और यह एक प्रकार से उन लोगों का अपमान है। इसलिए उसने कहा, "तुम हम से शराब को ले लो!"

उसने कहा, "नहीं, मैं नहीं पीता।"

85 इसलिए उसने सुराही को ऊपर फेंका, और कहा, "पी लो!" वे सभी नशे में थे, आप जानते हैं, लगभग आधा दर्जन लोग।

और सो उसने कहा, "धन्यवाद, लड़कों।"

86 कहा, "यदि हमारा हिरन का मांस खाने के लिए काफी अच्छा है, तो हमारी व्हिस्की पीने के लिए काफी अच्छी है।"

87 और आप जानते हैं कि वे कैसे नशे में होते हैं। और उसने कहा, "नहीं," उसने कहा।

88 और उन्होंने बंदूक में एक गोली डाली, और कहा, "अब तुम पीयोगे या नहीं तो!"

89 उसने कहा, "नहीं। नहीं, मैं नहीं पीऊंगा।" और उसने बंदूक को निशाना बनाना आरंभ किया। कहा, "बस एक क्षण।" कहा, "मैं मरने से नहीं डरता।" उसने कहा, "मैं—मैं मरने से नहीं डरता।" उसने कहा, "लेकिन मैं—मैं आपको अपनी कहानी बताना चाहता हूं, इससे पहले कि मैं करूं, वो कारण कि मैं शराब नहीं पीता।" कहा, "मैं एक केंटकी का रहने वाला हूं।" उसने कहा, "और एक सुबह एक छोटी सी लकड़ी की कोठरी में, जहां एक मां पड़ी हुई मर रही थी, उसने मुझे अपने पलंग के पास बुलाया, और कहा, 'जैक, तुम्हारा पिता हाथ में ताश के पत्तों को लिए हुए मर गया, एक टेबल के पास, वो नशे में था।' और कहा, 'जैक, कभी भी शराब मत पीना, जो कुछ भी तुम करो।'" और कहा, "मेरी माँ के माथे पर मैंने अपने हाथ रखे। और मैंने परमेश्वर से प्रतिज्ञा की है, एक छोटे से दस वर्ष के लड़के की नाई, मैं अपनी पहली शराब कभी नहीं पीऊंगा।" उसने कहा, "मैंने इसे कभी नहीं पीया।" और कहा, "अब यदि आप गोली चलाना चाहते हो, तो आप बस गोली चला दो।"

90 और जैसे ही शराबी ने अपनी बंदूक उठाई और सुराही को फिर से ऊपर फेंका, कहा, "इसे ले लो या तो मैं गोली मार दूंगा!" और तभी एक बंदूक से गोली चली और सुराही फट गयी।

91 एक घाटी के किनारे पर एक छोटा सा चरवाहा खड़ा था, विकृत, उसके गालों से आंसू बह रहे थे। उसने कहा, "जैक, मैं भी केंटकी से आया हूं। मैंने एक दिन एक माँ से प्रतिज्ञा की थी, लेकिन मैंने अपनी प्रतिज्ञा को तोड़ दिया।" उसने कहा, "मैं रुका हुआ था इतना तक कि इन लोगों ने बहुत अधिक शराब पी ली, और उनके सारे झुंड को मारने जा रहा था, जो भी हो, जो भी सोना उनके पास है, ले लो।" उसने कहा, "लेकिन मैं नशे में हूं और मैंने गलत किया है। लेकिन," कहा, "मुझे पक्का है जब मेरी बंदूक की आवाज़ स्वर्ग की घाटी में से होकर गूंजती है, माँ ने मुझे एक प्रतिज्ञा पर हस्ताक्षर करते सुना है, मैं ऐसा फिर कभी नहीं करूंगा।" और वहां, परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, उसने उन सभी लोगों को मसीह की ओर अगुवाही की, वे सारे जो वहां पर है।

92 देखिए, पानी के विषय में कुछ तो है, ताजगी के विषय में कुछ तो है। मेरा उद्देश्य था, प्यास लगने पर पानी तक पहुँचने के लिए। यह आपके लिए कुछ करता है, प्यास लगने पर पानी तक पहुंचना।

93 अब, उसने कहा, "मैं तुम्हे अपनी शांति देता हूं। मेरी शांति मैं तुम्हें देता हूं।" ना ही वैसी जैसे संसार तुम्हे शांति देता है, लेकिन जिस तरह से वह तुम्हे शांति देता है। उसकी शांति हमारी प्यास को बुझाती है। यदि हम शांति के लिए लालसा रखते हैं, तो आइए हम उसकी शांति में तरोताजा हो जाएं, यह जानने के लिए कि हमारे पास हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ शांति है। वह हमारा शांति देने वाला है जो हमारी प्यास को बुझाता है।

94 वह पद जो कहता है कि वह वास्तव में मांस है और वास्तव में पेय है। मैंने यहां एक छोटा सा निशान लगाकर रखा है, 57वां पद, "वास्तव में मांस और वास्तव में पीने के लिए है।" सुनिए उसने यहां क्या कहा।

> और *जैसा जीवते पिता ने मुझे भेजा और मैं पिता के कारण जीवित हूं: वैसा ही वह भी जो मुझे खाएगा मेरे कारण जीवित रहेगा।*

95 दूसरे शब्दों में, "पिता ने मुझे भेजा है, और मैं उसके द्वारा जीवित हूं। और हर एक मनुष्य जो मसीह के पास आता है उसे अवश्य ही मसीह के द्वारा जीना है।" ओह, प्रभु, आप वहां है, यही प्रभु भोज है। यही वास्तविक प्रभु भोज है जो आप पाते हैं जब आप मसीह के द्वारा जीते हैं।

96 अब, हमारे शरीर को हर दिन खाने और पीने की आवश्यकता होती है, जीवित रहने के लिए, हमारे भौतिक शरीर को। यदि हम प्रतिदिन भोजन नहीं करते है और नही पीते हैं, तो हमारा शरीर कमजोर पड़ता जाता है। हमारे अंदर कुछ तो है जो हमें भोजन लेना चाहिए। एक दिन का भोजन अगले दिन तक नहीं रहेगा। आपको हर दिन भोजन करना है, अपने मरणहार अस्तित्व को शक्ति देने के लिए। आप जीवित रह सकते हैं, लेकिन आप कमजोर होते हैं। और दूसरे दिन, आप और भी कमजोर होते है। और तीसरे दिन, आप बहुत ही ज्यादा कमजोर हो रहे हैं।

97 तो, यही है जो बहुत सी बार हम आत्मिक क्षेत्र में करते हैं। आप देखिए, हर दिन हमें मसीह के साथ वार्तालाप करना है। हमें हर दिन उससे बात करना है। हमें इसे हर दिन इसे उसके साथ सुलझाना है। पौलुस ने कहा, "मैं हर दिन मरता हूं।" देखा? "हर दिन, मैं मरता हूं; फिर भी मैं जीवित हूं, मैं नहीं, परंतु मसीह मुझ में जीवित है।" इसलिए, यदि आपके भौतिक शरीर को हर दिन भोजन की आवश्यकता होती है और हर दिन पानी को

पीना है, जीवित रहने के लिए, आपके आत्मिक शरीर को हर दिन प्रभु के साथ आत्मिक भोजन और वार्तालाप की आवश्यकता होती है, जीवित रहने के लिए। जी हां। यीशु ने कहा, "मनुष्य केवल रोटी से ही जीवित नहीं रहेगा, लेकिन हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।" इसलिए, हर दिन हमें बाईबल का अध्ययन करना होगा। कुछ लोग इसका बिल्कुल भी अध्ययन नहीं करते हैं। कुछ इसे वर्ष में हर दो या तीन बार ही लेते हैं। लेकिन, एक सच्चा, सच्चा विश्वासी जो वास्तव में आत्मिक रूप से मजबूत है, वह हर दिन अपनी बाईबल को पढ़ता है, और प्रभु से बात करता है। यह सही है। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] उसे करना है। "मनुष्य केवल रोटी से नहीं जीवित रहेगा, लेकिन हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।"

98 अब, एक और चीज जिसके लिए हम भोजन लेते हैं, वह है हमारे शरीर को बीमारियों का रोकने के लिए मजबूत करे। यदि आप भोजन नहीं लेते हैं, और आपका शरीर कमजोर हो जाता है, तो यह बीमारियों के अधीन होता है। बीमारियां सीधे लहू के प्रवाह के अंदर आ जायेंगी, और यहाँ आप खत्म हो जाते है। यदि आपका लहू भरपूर और शुद्ध नहीं है, तो, तब यह बीमारी सीधे आपके लहू के प्रवाह के अंदर चली जाएगी। इसलिए आपको अपने लहू के प्रवाह को सही रखने के लिए अच्छा पोषण देने वाला भोजन खाना है। यदि आप नहीं खाते हैं, तो आपको आपको बिमारियों के लिए एलर्जी होती है। यही है जो बहुत सारे मसीहियों के साथ मामला है।

99 काँच के तपाये घर में पले पौधों की तरह। आप जानते हैं, आप एक पौधा घर के घर से बाहर निकालते हैं, आपको इसे पालना होता है या ध्यान रखना होता है। यह मौसम को नहीं जानता। यह सूर्य के प्रकाश और चीजों को नहीं जानता है, इसे ढांक कर रखा गया होता है और बच्चों की तरह पाला गया है। और यही बात बहुत से कहलाने वाले मसीहो के साथ है, वे काँच के तपाये घर में पले पौधे है। यह ठीक बात है, वहां लगने वाले हर कीड़े की समस्या हो जाती है! आप जानते हैं, यह केवल वो—वो... यह केवल वो—वो नाजुक पौधे होते है जिन पर छिड़काव किया जाना है, या, वे संकरित पौधे होते है।

100 आप जानते हैं, आप एक पुरानी हियरफोर्ड गाय को लेकर और उसे वहां चरागाह पर छोड़ दे, और वहां बाहर एक लंबे सींग को छोड़ दे, उस

लंबे सींग से अपना मार्ग स्वयं बना सकती है क्योंकि वह मूल नस्ल की गाय है। लेकिन आप एक ब्रंगस या हियरफोर्ड को ले जो कि एक संकर नस्ल है और एक संकरित है, यह देखने के लिए एक बेहतर गाय है, निश्चित रूप से, मोटी और स्वस्थ, लेकिन आप उन्हें वहां से बाहर छोड़ दे, वे अपना रास्ता नहीं बना सकती हैं। वे मर जायेंगी! उनकी देखभाल करनी होती है। देखा?

101 और आज यही मामला है, हमारे पास अच्छे कपड़े पहने हुए मसीही है, बड़ी–बड़ी कलीसियाये, और बहुत सी—सी शिक्षा, बहुत सारे धर्मज्ञान, लेकिन उन्हें हर समय पालन–पोषण करना पड़ता है, आपको उनके शीशे में से होकर देखना होगा या आप बिल्कुल नहीं देख रहे हैं। हमें जिस चीज की आवश्यकता है, वह है कुछ अच्छी नस्ल के मसीही, जो प्रभु यीशु के लहू के नीचे जन्मे हैं, जो कलीसिया के धर्मज्ञान से नहीं जीते हैं, लेकिन परमेश्वर के वचन से, मसीह के साथ वार्तालाप में। वचन विश्वासी के अंदर आ रहा है, उसकी—उसकी आत्मिक देह मजबूत है। ना ही एक कांच के बने घर के पलने वाले!

102 आज किसी एक सेवक ने कहा, मैंने उसे सुना, उसने यह एक प्रसारण पर कहा, उसने कहा, कि जब वह देश में आया, तो उसे साइनस या नाक के रोग के होने की बड़ी परेशानी थी, और वे एक ऑपरेशन की बात कर रहे थे। और उन्होंने कहा कि वे *ऐसा* और *वैसा* करने जा रहे थे, और उसे चीरा जाना जाना था और ऑपरेशन करना था, और साइनस ग्रंथियों के भाग को बाहर निकालना था, जो उसके मुंह को अंदर दबा देगा, और इस तरह से आदि–आदि। और उसने कहा कि उसने डब्बा भर–भर के गोलियां ली थी। ऐसा लगता है कि वहां बहुत सारी दवाई की गोलियां थी जो उसे लेनी थी। लेकिन जब वह एक अच्छे मसीही डॉक्टर के पास आया, तो डॉक्टर ने कहा, "आओ गोलियों को भूल जाये और ऑपरेशन को भूल जाये, और आओ शरीर को मजबूत करें ताकि यह साइनस के उस रोग को रोक सके।" ऐसा ही है!

103 क्या बात है कि लोग उतने लंबे समय तक नहीं जीते है, जितने वे पहले जिया करते थे? हमें *इसके* लिए एक टीके को लगाना है और *उसके* लिए एक टीके को लगाना है, और अपने आप को हर तरह की दवा के साथ छिड़काव करना है। यह क्या करता है? यह हमें नरम, मोटा, पिलपिला

बनाता है, अच्छा नहीं बनाता। जब बहुत पहले का मनुष्य... क्यों, हमें हर एक चीज से एलर्जी है। अब उन्हें एलर्जी और बाकी की हर एक चीज हो रही है।

104 मैं अफ्रीका में खड़ा हुआ हूं, मलेरिया के लिए एक भी टीका नहीं ले सकता। लेकिन एक मलेरिया का मच्छर मेरे हाथ पर धीरे से आएगा, मुझे मलेरिया होगा। वे भिनभिनाते नहीं है, और आपको शायद मालूम भी नहीं पड़ता है। वे आकर बैठते हैं, वे बस आकर बैठ जाते हैं, बस इतना ही, आपको यह हो जाता है। यदि आप जीवित रहते हैं, तो आपको यह पंद्रह वर्षो तक बना रहेगा। और फिर कभी तो आप इससे मर जाते हैं। और वहां उनकी छोटी–छोटी झोपड़ियों में वे वहीं पैदाइश होते है, उनके पैरों पर मच्छर होते है जो खुले हुए होते है। वे मच्छर उन पर चिपके रहते हैं, मलेरिया के मच्छर, और इसने उन्हें कोई परेशानी नहीं होती। क्यों? उन्होंने एक रोग प्रतिरोधक शक्ति को मजबूत किया था। उनके पास परमेश्वर का दिया हुआ टीका था।

105 और यही आज लोगों के साथ मामला है। कलीसिया के साथ यही मामला है। हमारे पास बहुत से बच्चो के टीके है और मनुष्य का बनाया हुआ धर्मज्ञान है, इतना कि हम पर छिड़काव किया गया है। हमें जिस चीज की आवश्यकता है, वह है प्रभु परमेश्वर के वचन के द्वारा परमेश्वर के टीकाकरण की। मनुष्य उस प्रकार के भोजन के द्वारा प्रतिदिन जीवित रहेगा, जिससे कि उसके प्राण को आत्मिक बिमारियों से टीका लगाने के लिए मजबूत करे जो देश भर में बह रही है और हर कहीं उछल रही है। इस पर बहुत सारी बातें लिखकर रखी हैं, लेकिन मुझे रुकना होगा।

106 अब, मजबूत हो जाओ, टीकाकरण के लिए तैयार हो जाओ। अब, हम इसके द्वारा जीते हैं, हमारे—हमारे शरीरों में यह होना ही है। और, यदि हम नहीं लेते हैं तो हम सभी प्रकार की बीमारियों की समस्या में होते हैं। और परमेश्वर का वचन, जैसा कि हम इसका विश्वास करते हैं और इसे प्रभु भोज के द्वारा स्वीकार करते हैं, "प्रभु, तेरा वचन सत्य है।"

107 "मेरी कलीसिया कहती है कि आपको फिर से जन्म लेने की आवश्यकता नहीं है। वे कहते हैं, 'हाथ मिलाने से फिर से जन्म होता है।' वे कहते हैं, 'छिड़काव करने से।' वे इन सारी दूसरी बातों को कहते हैं, 'ऐसा ही है, पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा।'" लेकिन बाईबल ने यीशु

मसीह के नाम में बपतिस्मा लेने के लिए कहा। समझे? अब, आप उन बनावटी टीको को लगवाने के साथ आगे बढ़ते हैं यदि आप चाहते हैं, आप अपने आप को एक बनावटी मसीही बनायेंगे। समझे? आप यह नहीं चाहते।

108 आपके पास जीवन नहीं हो सकता, केवल मसीह के द्वारा ही हो सकता है। और अब उसका वचन क्या करता है? यह हमारी आत्मिक देह को मजबूत बनाता है, शक्तिशाली, जब हम उसके साथ वार्तालाप करते हैं, शैतान को रोकने के लिए।

109 आप कहते हैं, "भाई ब्रंहम, आप यह क्या कहते हैं, 'उसके वचन में वार्तालाप करना'? "

110 जी हां, वो वचन है। "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ और हमारे बीच में डेरा किया।" और हमें उसकी देह को खाना है। तब उसकी देह उसका वचन है, क्योंकि वह वचन है। और उसने संत यूहन्ना 15 में कहा, "यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरा प्रभु भोज, मेरा वचन, तुम में बना रहे, तब तुम जो चाहो मांग सकते हो और यह तुम्हारे लिए हो जाएगा।" आप वहां है। यह सच है। देखो, तुम जो चाहो वो मांगो!

111 आप क्या करते हैं? आप अपने शरीर को मजबूत बना रहे हैं कि टीका लगाने से... कोई तो आकर और कहता है, "ओह, हमारी कलीसिया चिल्लाने में विश्वास नहीं करती है।" देखो, मजबूत हो गये हो। क्या? आप में प्रभु भोज है, वो वचन। और आपको इससे टीका लगाया गया है। यदि बहुत सी बेकार की बातें आती है, तो यह क्या है? इसमें कोई वचन नहीं होता है, तब आपको पक्का पता है कि यह गलत है। मैं परवाह नहीं करता कि यह कितना वास्तविक दिखाई पड़ता है, यदि यह वचन नहीं है तो इसे ऐसे ही छोड़ दें। ठीक है, इसे छोड़ दो। मैं परवाह नहीं करता कि यह क्या करता है, इसे अवश्य ही वचन के साथ तुलना करना चाहिए!

112 प्रार्थना में, जैसा कि मैं मिकायाह का हवाला दे रहा था, जो वहां खड़ा था, देखो, यह वास्तव में सही दिखाई पड़ रहा था, जबकि वहां इस्राएल था, और वह देश का वो टुकड़ा उनका था। वे परदेशी लोगों ने वहां आकर और इसे उनसे छीन लिया था और अपने लिए खुद के घर बनाए थे, और वे उस देश के भाग पर अधिकार कर रहे थे जो परमेश्वर ने उन्हें दिया था। इसलिए ऐसा दिखाई पड़ा कि वे चार सौ इब्रानी भविष्यवक्ता सही थे।

लेकिन, आप जानते हैं, यहोशापात के विषय में कुछ तो आत्मिक बात थी, उसने कहा, "क्या तुम्हारे पास एक और नबी नहीं है? "

113 कहा, "मेरे पास एक और नबी है, लेकिन," कहा, "मैं उससे घृणा करता हूं। केवल एक चीज जो वह करता है वह है कि बुरी भविष्यवाणी करता है।"

कहा, "जाकर उसे ले आओ और हम उससे सुनेंगे।"

114 और वह ऊपर गया, उसने कहा, "आगे जाओ, वहां ऊपर जाओ, लेकिन मैंने इस्राएल को उन भेड़ों की नाई तितर-बितर होते देखा है, जिनका कोई चरवाहा नहीं है।" और फिर उसने अपने दर्शन को बताया।

115 अब, कौन सही है? ऐसा दिखाई पड़ा कि चार सौ नबी सही थे। वे चार सौ प्रशिक्षित मनुष्य, कह रहे हैं, "ऊपर जाओ, प्रभु तुम्हारे साथ है।" और यहां तक कि सिदकिय्याह के पास एक—एक—एक—एक था... सिदकिय्याह के पास लोहे के दो बड़े मजबूत सींग थे। उसने कहा, "इससे तुम परदेशियों को देश से बाहर खदेड़ दोगे।" उसे यकीन था कि वह सही था। वह जानता था कि वह सही था। लेकिन, आप देखो, वह गलत था।

116 और यहाँ, मिकायाह, जो चार सौ नबियों के विरुद्ध एक, और उसने कहा, "यदि तुम ऊपर जाते हो, तो इस्राएल तितर-बितर हो जाएगा, बिना किसी चरवाहे के।"

117 और दूसरों ने कहा, "ऊपर जाओ, प्रभु तुम्हारे साथ है!" अब, भौतिक रूप से, वे सही थे, वो स्थान इस्राएल का था। लेकिन प्रभु के वचन ने आहाब को दोषी ठहराया था, इसलिए परमेश्वर भला कैसे आशीष दे सकता है जिसे उसने दोषी ठहराया था?

118 आज ऐसा ही है। देखा? प्रभु वार्तालाप का वचन मिकायाह में था। अब, यदि आप परमेश्वर के साथ वास्तविक प्रभु भोज को लेते हुए वार्तालाप कर रहे हैं, और आप में आत्मा इस वचन के साथ असहमत है, तो आप परमेश्वर के साथ बातचीत नहीं कर रहे हैं, आप शैतानों के साथ बातचीत कर रहे हैं। और वे बहुत ही अधिक नकल कर रहे हैं! बाईबल ने कहा, "अंतिम दिनों में यदि संभव हो तो वे चुने हुओ को लगभग भरमा देंगे। लेकिन आकाश और धरती टल जाएंगे, लेकिन मेरा वचन नहीं टलेगा।" और यदि... पौलुस ने कहा, गलातियों 1:8 में, "यदि स्वर्ग से कोई दूत इसके अलावा किसी और सुसमाचार को प्रचार करता है, जो आपने पहले ही सुना है, तो उसे

शापित होने दो।" यहां तक कि एक दूत भी! आरंभिक कलीसिया में, जब वे मनुष्य, जैसे संत मार्टिन, इरेनियस, वे धर्मी पुरुष, जब शैतान उजियाले के दूत के समान उपस्थित होता। लेकिन, आप ध्यान देना, वह वचन से जरा सा हटकर होगा।

119 वह हवा के लिए एक उजियाले के दूत के रूप में उपस्थित हुआ, उसे बताया, "निश्चय ही, प्रभु ने *ऐसा* कहा, प्रभु ने *यह* कहा," लेकिन वह ठीक अंत में परमेश्वर से असहमत था। और इसी प्रकार से आज झूठी वार्तालाप को करता है। जब लोग सोचते हैं कि वे परमेश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं, और वचन का पालन नहीं करते, तो यह एक झूठी वार्तालाप है।

120 "यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरा वचन तुम में, तो जो चाहो मांगो," देखो, "और यह हो जाएगा।" अब, यह ऐसे ही एक बार नहीं जा सकता, फिर अगली बार बाहर। "तुम मुझ में बने रहो, मेरे वचन तुम में बने रहे," यही है, वहां बने रहो। *बने रहने* का अर्थ होता है, "वहां विश्राम करो, ठीक वहीं पर बने रहो।" जी हाँ, यह—यह पाप से भरी बिमारियों से टीका है।

121 अब, मैं इस एक शब्द को कहकर बंद करूंगा, इससे पहले कि हम प्रभु भोज की मेज पर जाये। प्रभु का लहू और देह, विश्वास के साथ मिश्रित था, यही वो लहू और शरीर है, यही वो आत्मा और वचन है, जो विश्वास के साथ मिश्रित है, अनंत जीवन के बराबर है। "वह जो मेरा मांस खाता है और मेरा लहू पीता है उसके पास अनंत जीवन है, और मैं उसे अंतिम दिन में जिला उठाऊंगा।" आप वहां है। यह क्या है? प्रभु का प्रभु भोज। वचन और आत्मा, यह जीवन लहू में है, वचन और आत्मा प्रभु में विश्वास के द्वारा अनंत जीवन के बराबर है।

122 यहां मेरी प्रार्थना है, जैसा कि मैं अंत को निकट आते हुए देखता हूं और देखता हूं, किसी भी मिनट पर, कुछ तो हो सकता है, और जानते हैं कि हम प्रभु के आगमन से अब अधिक दूर नहीं हैं:

प्रभु, तब प्रभु यीशु के नाम में, परमेश्वर का पुत्र, मुझे वचन को लेने दो, उस तलवार को लेकर, और जो मेरे पास विश्वास है, उसके साथ हिलाने दो, और मेरे मार्ग में की हर एक शैतानी शक्ति को काटता जाऊंगा, जब तक मैं यीशु को उसके वचन के वार्तालाप में से होकर नहीं देखता।

123 उसके वचन के साथ वार्तालाप करें। "यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरा वचन तुम में, तो मुझसे जो चाहो तुम मांगो और यह तुम्हारे लिए हो

जाएगा।" कितना सुंदर! वहां वचन और आत्मा के साथ वास्तविक प्रभु भोज है, विश्वास के साथ कि इसे एक साथ हिलाये, "तुम जो चाहो मांगो, और यह तुम्हारे लिए हो जाएगा।" आइए हम प्रार्थना करें।

124 अनुग्रहकारी और महान पवित्र पिता परमेश्वर, वो महान **मैं हूँ**, वो एल शदाई, अब्राहम के लिए। हे परमेश्वर, किस तरह से प्रभु का यह महान प्रभु भोज हो जो अनंत जीवन के बराबर है, और कैसे यह गर्व से टीका लगाता है, कैसे यह अविश्वास के कारण से टीका लगाता है, कैसे यह संसार के पाप के कारण से टीका लगाता है! यह प्रभु भोज है, हमारे स्वर्गीय पिता के लिए दिव्य प्रेम के साथ। और यीशु मसीह की धार्मिकता के द्वारा हमारे पास इस मेज तक आने की अनुमति है। और हम प्रार्थना करते हैं, प्रभु, कि आप हम में से प्रत्येक को आज रात उस आत्मा में अनुमति को प्रदान करेंगे। हमें क्षमा करें। और हम चाहते हैं कि हमारी आत्मिक देह उन्नति पाए। हम किसी कलीसिया या संप्रदाय से जुड़ने की परवाह नहीं करते हैं। हम आत्मिक देह को मजबूत करना चाहते हैं, पाप से बचाव का टीका लगाने के लिए, एक ऐसे स्थान पर जहां गलत करने की अब कोई और इच्छा नहीं होती है, और जहां पवित्र आत्मा अपने खुद के वचन को और हमारे होठों को ले सके, और इसे उतनी ही ताजगी से बोले जैसे उस दिन बोला गया था, क्योंकि यह वही आत्मा है जो प्रभु यीशु में थी। मैं प्रार्थना करता हूं, पिता, कि आप इसे हमें देंगे।

125 घडीयां समाप्त हो रही है। बस जब, हम नहीं जानते, कि अंतिम जन बचा लिया जाएगा। लेकिन मैं आज रात प्रार्थना करता हूं, प्रभु, यदि यहां वे लोग हैं जो आपको उनके उद्धारकर्ता के रूप में नहीं जानते हैं, होने पाए वे आज रात आपको पा ले, जब वे इस बपतिस्मे के जल के पास आते हैं, एक यादगार के रूप में, कि विश्वासियों के इस देह को स्वीकार करे कि वे कहानी पर विश्वास करते हैं कि नासरत का यीशु कुंवारी मरियम से जन्मा था, और पोंटियस पिलातुस के द्वारा क्रूस पर चढ़ाया गया था, और तीसरे दिन परमेश्वर के द्वारा जिलाया गया, और आज रात महामहिम के दाहिने हाथ पर बैठा है, हमेशा बिचवाई के काम को करने के लिए जीवित है।

126 प्रभु, प्रदान करे, कि वही व्यक्ति, बाईबल की आज्ञाओं का पालन कर रहा है, "तुम में से हर एक जन पश्चाताप करो, और अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लो। क्योंकि आकाश के नीचे

मनुष्यों के बीच कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा तुम्हें अवश्य ही बचाया जाना है।" हे परमेश्वर, होने पाए लोग इसकी ईमानदारी को और स्थिर वचन को देखे, "आकाश के नीचे मनुष्य के बीच कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया है जिसके द्वारा आपको बचाया जाना चाहिए, सिवाय यीशु मसीह के नाम में।" इसलिए, प्रेरित ने कहा, "तुम में से हर एक पश्चाताप करो और यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लो पाप की क्षमा के लिए, और तुम पवित्र आत्मा के दान को पाओगे। क्योंकि प्रतिज्ञा हर एक युग के लिए है, जितनो को प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा।" प्रदान करें, प्रभु, कि आज रात बहुत सारी पुकार हो।

127 और हमारे प्रभु के द्वारा यह भी कहा गया है, "कोई भी मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता जब तक मेरा पिता उसे ना खींच ले, और वो सब जिसे पिता ने मुझे दिया है, मेरे पास आयेगा। मेरी भेड़ मेरा शब्द सुनती है।" एक अजनबी, और यदि कोई अजनबी बोलता है, एक आवाज जो वचन के अनुसार नहीं है, तो भेड़ जल्द ही इसे पहचान लेगी। हे परमेश्वर! और यदि यह आपकी आवाज है, बाईबल, जो यह कहती है, हर एक भेड़ इसे सुनेगी, क्योंकि यह भेड़ का भोजन है। उन्होंने भोज किया है। वे जानते हैं कि पिता किस प्रकार का भोजन खिलाता है। "मनुष्य केवल रोटी से नहीं जीवित रहेगा, लेकिन हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।" प्रदान करें, प्रभु, कि बहुत से देखेंगे और समझेंगे, और आज रात आपके पास आएंगे।

128 जिनके पास पवित्र आत्मा नहीं है, होने पाए वे इसे किसी और समय के लिए टाले। किसी और समय टालने में बहुत देर हो सकती है। हो सकता है वे यहां नहीं हो।

129 और, पिता, जैसा कि हम अब आपके टूटे हुए शरीर का जो प्रतिनिधित्व करता है उसे लेने के लिए मेज के चारों ओर एकत्र हुए हैं, हम प्रार्थना करते हैं कि यदि हमारे बीच में पाप है, प्रभु, हमें क्षमा करें। आपने कहा, "जब तुम एक साथ आते हैं, तो एक दूसरे के लिए रुके रहो।" परमेश्वर, यदि वहां इस सभा में कहीं पर भी कोई पाप है, मैं प्रार्थना करता हूं कि यीशु मसीह का लहू उस पुरुष को या उस स्त्री को, लड़के या लड़की को उसके पाप से अलग करे। और, पिता, मैं अपने आप के लिए प्रार्थना करता हूं, कि आप मुझे हर संदेह, हर पाप, हर अविश्वास से अलग करेंगे, जो कुछ भी

है जो... हम जानते हैं कि अविश्वास पाप है। वहां केवल यही पाप है। "वह जो विश्वास नहीं करता वह पहले ही दोषी ठहराया जा चुका है।" और वहां केवल जो पाप है, वो है परमेश्वर के वचन का विश्वास नहीं करना। और, पिता, यदि मुझ में कोई अविश्वास है, तो मुझे क्षमा करें, हे परमेश्वर, जो कि वहां बहुत है, और मैं प्रार्थना करता हूं कि आप मुझे क्षमा करें। मेरी सभा के लोगो को क्षमा करें जिन्हें आपने आज रात मुझे दिया है, और उन्हें वचन पर खिलाने के लिए। इसे प्रदान करें।

130 और जैसा कि हम टूटे हुए शरीर के इन छोटे स्मरणोत्सव को लेते हैं जो उसकी देह है जो मरे हुओं में से जी उठा और हमारे बीच में हमेशा के लिए जीवित है, होने पाए हम उससे प्रभु भोज प्राप्त करें, प्रभु, पवित्र आत्मा से वार्तालाप करना। इसे प्रदान करे, पिता। हम यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

131 अब, आपके लिए जिनका जाना अवश्य है और जो लगभग पंद्रह मिनट की प्रभु भोज सभा में नहीं रुक सकते... हम में से बहुत से नहीं है, और हम प्रभु भोज को लेंगे। यह एक सिमित प्रभु भोज नहीं है। यह पूरी तरह से हर एक मसीही विश्वासी के लिए है। परमेश्वर के पास बैपटिस्ट और मेथोडिस्ट और इत्यादि के बीच की रेखा नहीं होती है। हम सब ने, एक आत्मा के द्वारा, एक देह में बपतिस्मा लिया है, और हम परमेश्वर के राज्य के संगी नागरिक हैं। और यदि हमारे बीच में कोई है जो अजनबी है, मैं यहां बहुत अधिक नहीं होता हूं, और नहीं जानता कि कौन सदस्य है और कौन नहीं। याद रखें, कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस कलीसिया से संबंध रखते हैं, इसका इससे कोई लेना–देना नहीं है। जो भी हो, वहां केवल एक ही कलीसिया है, और आप इसमें जुड़ते नहीं हैं, आप इसमें जन्म लेते हैं। यह सही है। और आपने इस परमेश्वर की कलीसिया के अंदर जन्म लिया है। और हम प्रार्थना करते हैं कि आप आज रात मसीह को ग्रहण करेंगे, उसके साथ बातचीत करेंगे, जब हम उसकी टूटी हुई देह को याद करते हैं, और ये छोटे–छोटे तत्व जो हम लेते हैं, फसह के पर्व के, और होने पाए परमेश्वर हमारे हृदय और विवेक पर लहू से छिड़काव करे।

132 अब वे प्रभु भोज को आगे लाएंगे, और हम अब पहला कुरिन्थियों से 12वां अध्याय पढ़ेंगे। और हम इसके तुरंत बाद प्रभु भोज को लेने जा रहे हैं, और हम भरोसा करते हैं कि परमेश्वर आपको बहुतायत से आशीष देगा।

फिर जैसे ही हम इसे पढ़ते हैं, या इससे पहले कि हम इसे पढ़ें, यदि आपको जाना है, तो ठीक है, आप निःसन्देह बाहर जा सकते हैं। और फिर बुधवार की रात को फिर से हमारे साथ होंना, और रविवार की सुबह और रविवार की रात को। यदि आप हमारे साथ प्रभु भोज को लेने के लिए रुक सकते हैं, तो हम आपके ऐसा करने पर बहुत ही खुश होंगे। उसके तुरंत बाद, प्रभु करेगा... बपतिस्मा की सभा होगी, जो लगभग पंद्रह मिनट में होगी, या अधिक से अधिक बीस मिनट में, मैं समझता हूं। पहला कुरिन्थियों, 11वां अध्याय, 23वां पद।

... यह बात मुझे प्रभु से पहुंची, और मैं ने तुम्हें भी पहुंचा दी, कि प्रभु यीशु ने जिस रात... वह पकड़वाया गया रोटी ली:

और धन्यवाद करके, उसने उसे तोड़ी,... और कहा, कि यह लो, और खाओ: यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिये तोड़ी हुई है: मेरे स्मरण के लिये यह किया करो।

इसी रीति से उस ने बियारी के पीछे कटोरा भी लिया, और जब उसने घूंट लिया, यह कटोरा मेरे लोहू में नई वाचा है: जब कभी तुम इसे पीओ, तो मेरे स्मरण के लिये यही किया करो।

क्योंकि जब कभी तुम यह रोटी खाते, और इस कटोरे में से पीते हो, तो प्रभु की मृत्यु को जब तक वह न आए, तुम प्रचार करते हो।

इसलिये जो कोई इसे अनुचित रीति से... इसलिये जो कोई इसे अनुचित रीति से प्रभु की रोटी खाए, या उसके कटोरे में से पीए, वह प्रभु की देह और लोहू का अपराधी ठहरेगा।

इसलिये मनुष्य अपने आप को जांच ले, और इसी रीति से इस रोटी में से खाए, और इस कटोरे में से पीए।

क्योंकि जो खाते–पीते समय प्रभु की देह को न पहिचाने, वह इस खाने और पीने से अपने ऊपर दण्ड लाता है।

इसी कारण तुम में से बहुत से निर्बल और रोगी हैं,... और बहुत से सो भी गए।

क्योंकि यदि हम अपने आप को जांचते है, तो हम न्याय को नहीं पाते है।

परन्तु जब हमारा न्याय होता है हमारी ताड़ना करता है इसलिये कि हम संसार के साथ दोषी न ठहरें।

इसलिये, हे मेरे भाइयों, जब तुम खाने के लिये इकट्ठे होते हो, तो एक दूसरे के लिये ठहरा करो।

133 अब, हम में से हर एक के लिए कुछ क्षण की मौन प्रार्थना करे, मेरे लिए प्रार्थना करें जबकि मैं आपके लिए प्रार्थना करता हूं। [भाई ब्रंहम धीरे से प्रार्थना करते हैं—सम्पा।]... ? ...

इन विनंतीयों को प्रदान करें, सर्वशक्तिमान परमेश्वर। हमें हमारे अपराधों के लिए क्षमा करें, जैसे हम उन लोगों को क्षमा करते हैं जो हमारे विरुद्ध अपराध करते हैं। यह हम यीशु मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

134 ये छोटे–छोटे पार्सल जो बिना वसा, मसाले और इत्यादि के बनी हुई विधिसम्मत रोटी है, जो प्रभु की देह का प्रतिनिधित्व करती है। यह गोल नहीं है, यह सारे टुकड़ों में तोड़ी गयी है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इसका अर्थ है उसकी टूटी हुई देह जो हमारे लिए तोड़ी गई थी। और होने पाए जो इसे खाता है परमेश्वर उस हर एक को अपनी आशीषे प्रदान करे। अब, यह देह नहीं है, यह तो केवल देह का प्रतिनिधित्व करता है। मेरे पास कोई सामर्थ नहीं है, किसी और के पास नहीं है, कि इसे रोटी के अलावा कुछ भी बनाऊं। केवल परमेश्वर। और यही है जो उसने हमें बताया, इस रोटी को खाये और इस दाखरस के प्याले को पीये। अब आइये हम अपने सिर को झुकाये।

135 परम पवित्र परमेश्वर, जिसके हम सेवक हैं, यीशु मसीह के नाम में, इस रोटी को इसके नियत उपयोग के लिए पवित्र करते हैं, ताकि हमें बनाये, जब हम इसे ग्रहण करते हैं, याद करे कि हमारे प्रभु को क्रूस पर चढ़ाया गया था; और उसकी देह, बहुमूल्य और पवित्र जैसे यह थी, हमारे लिए कोड़ो और कांटों और कीलों के साथ मिश्रित थी, जो कि उसकी चीर–फाड़ की हुई देह में से होते हुए आत्मा बाहर आया जो हमें अनंत जीवन देता है। होने पाए हम, प्रभु, जैसा कि हम इसे खाते हैं, हमारे पास यात्रा करने के लिए अनुग्रह हो, जैसा कि इस्राएल ने जंगल में चालीस वर्ष किया था, और उनमें से एक भी निर्बल नहीं हो। पिता परमेश्वर, इसे प्रदान करें, जैसा कि हम प्रार्थना करते हैं, आप इस रोटी को, जो विधिसम्मत बनाई रोटी है, इसके नियत उपयोग के लिए पवित्र करें। यीशु के नाम में। आमीन।

136 नए नियम का प्याला, लहू। मैं उस गीत के विषय में सोचता हूं:

जब से मैंने विश्वास के द्वारा उस धारा को देखा
आपके बहते हुए घाव आपूर्ति करते हैं,
छुड़ाने वाला प्रेम मेरा विषय रहा है,
और मेरे मरते दम तक रहेगा।

137 जब मैं इस लहू को देखता हूं, वे अंगूर, अंगूर का लहू, मैं जानता हूं कि यह उस लहू का प्रतिनिधित्व करता है जो प्रभु यीशु की देह से निकला था। होने पाए जो कोई कभी भी इसे ग्रहण करते हैं, उनके पास अनंत जीवन होगा, होने पाए उनके शरीर से बीमारी दूर हो जाए, होने पाए थकान और कमजोरी, उदासी दूर हो जाए, होने पाए शैतान (किसी भी रूप में हो) उन्हें छोड़ दे, जिससे कि उनके पास बड़ी शक्ति और स्वास्थ्य और अनंत जीवन हो, ताकि उनका उजियाला इस दुष्ट और व्यभिचारी पीढ़ी के सामने चमके, जिसमें हम रहते हैं, ताकि परमेश्वर की महिमा हो।

138 स्वर्गीय पिता, हम आपके लिए दाखलता के फल को सामने रखते हैं। यीशु मसीह के नाम में, इसे पवित्र करे, ताकि आपके पुत्र यीशु के लहू का प्रतिनिधित्व करे, इसमें जो हमारे पास है कि, "हमारे अपराधों के कारण घायल हुआ, उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए।" प्रदान करें, प्रभु, कि वो जीवन हमारे पास आए, बहुत अधिक बहुतायत में अनंत जीवन, जिससे कि हम आपकी बेहतर सेवा करने में सक्षम हो सके, हमें एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने के लिए शक्ति और अच्छी सेहत देना, जहां हम आपकी सेवा करने की अपेक्षा करते हैं, जहां कहीं भी आप हमें बुलाते है। इन आशीषों को प्रदान करें, यीशु के नाम में, हम प्रार्थना करते हैं। आमीन।

62–0204 प्रभु भोज
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org